epaper.dehatsandesh.com

3 महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता पर व्याख्यान आयोजित

5 विश्वकप 2027 में खेलने को लेकर अभी मुश्किल है : रोहित

8 उपराज्यपाल ने जहानाबाद में आयोजित होली मिलन समारोह में भाग लिया

न्यूनतम 16 मौसम जम्मू अधिकतम 27

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-64 | जम्मू तवी, बुधवार 12 मार्च, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

उमर अब्दुल्ला ने दिहाड़ी मजदूरों के नियमितीकरण के लिए समिति की घोषणा की

आशु कुमार

जम्मू, 11 मार्च। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को दिहाड़ी मजदूरों के नियमितीकरण के लिए रोडमैप तैयार करने के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की।बजट चर्चाओं का जवाब देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि मैं मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, सचिव योजना और विधि सचिव को सदस्य के रूप में शामिल करते हुए एक समिति के गठन के आदेश जारी करूंगा। उन्होंने कहा कि समिति छह महीने के भीतर एक रोडमैप तैयार करेगी जिसे अगले बजट में शामिल किया जाएगा। मुद्रास्फीति के बारे में चिंताओं को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने उन दावों को खारिज कर दिया कि बजट का मुद्रास्फीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सज्जाद साहब ने कहा कि इसका मुद्रास्फीति पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा लेकिन ऐसा नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि बजट निराशावादी नहीं बल्कि यथार्थवादी है

अनंतनाग-डोडा सड़क का प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया, मंजूरी का इंतजार : सरकार

जम्मू, 11 । जम्मू-कश्मीर सरकार ने मंगलवार को कहा कि कपरान अनंतनाग से देसा डोडा तक सड़क निर्माण का प्रस्ताव केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को भेजा गया है लेकिन अभी तक इसे मंजूरी नहीं मिली है।

सड़क एवं भवन विभाग के मंत्री जी ए मीर ने विधायक के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि अंतर-जिला और अंतर-क्षेत्रीय सड़क संपर्क विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर शुरू किया जाता है। मंत्री ने कहा कि अनंतनाग जिले के कापरान और डोडा जिले के देसा को जोड़ने के लिए कापरान-देसा सड़क की परिकल्पना की गई है। इस सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने और इसके निर्माण का मामला केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के समक्ष कई बार उठाया गया है। हालांकि मंजूरी का अभी भी इंतजार है। केंद्रीय मंत्रालय की मंजूरी के बाद विस्तृत सर्वेक्षण और डीपीआर तैयार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अनंतनाग डूरू वेरीनाग (एडीवी) सड़क जो लगभग 24.64 किलोमीटर लंबी है, एक मध्यवर्ती सड़क है जिसकी औसत कैरिजवे चौड़ाई लगभग 5.5 मीटर और औसत सड़क मार्ग की चौड़ाई 7.5 मीटर है जबकि सड़क की पूरी लंबाई एक काली सतह वाली सतह है। उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष के दौरान उक्त सड़क के लगभग 4.5 किलोमीटर हिस्से को मैकडैमाइजेशन के माध्यम से फिर से बनाया गया है। हालांकि इस सड़क को चौड़ा करने के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सड़कों के निर्माण/उन्नयन के लिए वार्षिक कार्य योजना अभी तक तैयार नहीं की गई है। हालांकि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर उचित विचार किया जाएगा।

13 जुलाई के शहीदों पर भाजपा के नेता प्रतिपक्ष की टिप्पणी पर सदन में विरोध

जम्मू, 11 माच। भाजपा विधायक सुनील शर्मा द्वारा 13 जुलाई, 1931 के शहीदों को फिर से देशद्रोही कहने पर मंगलवार को विधानसभा में सत्ता पक्ष और कश्मीर आधारित विपक्ष की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया।बजट पर चर्चा के दौरान एनसी विधायक शौकत हुसैन गनी ने पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में भाजपा द्वारा किए गए कार्यों की आलोचना की और 1947 का उल्लेख किया। जब शौकत बोल रहे थे तो भाजपा विधायक शाम लाल शर्मा ने उनसे 1931 के बारे में बात करने को कहा। एनसी के अल्ताफ कालू ने जवाब दिया कि वह हमारे नायक हैं।

उनका विरोध करते हुए भाजपा विधायक सुनील शर्मा ने कहा कि वे देशद्रोही हैं और देशद्रोही ही रहेंगे जिसके बाद एनसी और कश्मीर आधारित विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया। शर्मा की टिप्पणी पर विरोध के बीच सीपीआई (एम) नेता मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने स्पीकर से उनके शब्दों पर ध्यान देने का आग्रह किया। तारिगामी ने भाजपा विधायकों की ओर इशारा करते हुए कहा कि 1931 के शहीदों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी का इस्तेमाल किया गया था। 1931 के शहीदों को देशद्रोही कहा गया। सदन की मर्यादा बनाए रखें। उन्होंने कहा कि असली देशद्रोही आप हैं। लंगेट के विधायक खुर्शीद शेख ने भाजपा नेता द्वारा की गई टिप्पणी को हटाने की मांग की। बाद में स्पीकर ने शर्मा द्वारा की गई टिप्पणी को हटा दिया।

पुलिस पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं : मुख्यमंत्री

जम्मू, 11 मार्च । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि जल शक्ति विभाग के प्रदर्शनकारी दिहाड़ी कर्मचारियों पर लाठीचार्ज नहीं होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि पुलिस पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने दिहाड़ी मजदूरों द्वारा वेतन जारी करने और नौकरियों को नियमित करने की मांग को लेकर किए गए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन को उजागर किया और उन पर लाठीचार्ज की आलोचना की। इस मामले को लेकर भाजपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस के सदस्यों के बीच बहस होने पर हंगामा शुरू होने पर भाजपा सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। अब्दुल्ला ने बीच-बचाव करते हुए कहा कि आपने (भाजपा विधायक विक्रम रंधावा) एक सवाल पूछा है, कृपया जवाब का इंतजार करें।

उन्होंने कहा कि जहां तक प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस के व्यवहार का सवाल है, मैं रंधावा साहब को याद दिलाना चाहूंगा जो इस मुद्दे पर शोर मचा रहे हैं कि दुर्भाग्य से न तो आपका और न ही मेरा पुलिस पर नियंत्रण है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सदन के अंदर हंगामा करने के बजाय विपक्ष अगर मामले को वहां से कुछ किलोमीटर दूर (उपराज्यपाल का हवाला देते हुए) उठाता, जहां वास्तविक नियंत्रण है तो बेहतर होता। उन्होंने कहा कि वहां जाकर पूछना ज्यादा उचित होता कि उन्हें क्यों पीटा गया।

उमर ने कहा कि न तो प्रदर्शनकारियों को सरकारी आदेश पर पीटा गया और न ही उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि आज भी मैं यही कहता हूं कि ये कर्मचारी हमारे हैं। उनके मुद्दे वास्तविक हैं। यह वित्तीय मुद्दा नहीं बल्कि मानवीय मुद्दा है। उनके साथ मानवीयता और संवेदनशीलता से पेश आना चाहिए था। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि सदन में उन सभी ने जो चिंता दिखाई है, वह पुलिस के कानों तक जरूर पहुंची होगी। उन्होंने कहा कि अगली बार जब ये लोग अपने अधिकारों के लिए लड़ेंगे, तो उन पर लाठियां नहीं चलाई जाएंगी।

टेम्पो सड़क से फिसलकर खाई में गिरा, चार लोगों की मौत

जम्मू, 11 मार्च। मंगलवार सुबह रियासी जिले में एक टेम्पो वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया जिससे चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जम्मू से बागनकोट जा रहा टेम्पो वाहन अचानक सड़क से फिसलकर पास की गहरी खाई में गिर गया। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया था। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। घायलों को स्थानीय स्वयंसेवकों, पुलिस और संबद्ध फील्ड एजेंसियों द्वारा तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि अधिकारी ने बताया कि घायलों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में अभी पता नहीं चल पाया है।

सितंबर 2022 से अब तक 74,071 नए राशन कार्ड जारी

जम्मू, 11 मार्च। जम्मू-कश्मीर सरकार ने मंगलवार को बताया कि खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग ने सितंबर 2022 से अब तक 74,071 नए राशन कार्ड जारी किए हैं जिससे छूटे हुए परिवारों को शामिल करना सुनिश्चित हुआ है। विधायक राजीव जसरोटिया के एक सवाल के जवाब में प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार ने सभी छूटे हुए पात्र परिवारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत लाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं। विभाग ने कहा कि सितंबर 2022 में राशन कार्ड प्रबंधन प्रणाली (आरसीएमएस) में बदलाव के बाद से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत 28,996 नए राशन कार्ड और गैर-प्राथमिकता वाले परिवार (एनपीएचएच) श्रेणी के तहत 45,075 नए राशन कार्ड जारी किए गए हैं जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि पात्र परिवार लाभ से वंचित न रहें। सरकार ने यह भी कहा कि वितरण नेटवर्क में वर्तमान में उचित मूल्य की दुकानों (एफपीएस) और सरकारी बिक्री केंद्रों सहित 6,630 बिक्री आउटलेट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2023 के तहत नई उचित मूल्य की दुकानें (एफपीएस) खोलने पर विचार कर रही है, खासकर उन पंचायतों में जहां ऐसी सुविधाएं नहीं हैं।

143 करोड़ रुपये की तवी रिवर फ्रंट परियोजना अप्रैल 2025 तक पूरी हो जाएगी: जावेद राणा

जम्मू, 11 मार्च। जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने कहा कि तवी रिवर फ्रंट परियोजना (चरण 1) अप्रैल, 2025 में 143.00 करोड़ रुपये की आवंटित लागत के भीतर पूरी हो जाएगी।

मंत्री विधानसभा में अरविंद गुप्ता द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात बताई। मंत्री ने बताया कि नदी के बाएं किनारे और दाएं किनारे पर क्रमशः 96 प्रतिषत और 94 प्रतिषत भौतिक प्रगति हासिल की गई है। तवी बैराज के कार्यों पर जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि 64.80 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से कार्य शुरू किए गए हैं और 36.15 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि तवी बैराज और कृत्रिम झील का 85 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मंडलायुक्त ने महिला नेताओं, सफल व्यक्तियों को सम्मानित किया

जम्मू 11 मार्च। मंडलायुक्त जम्मू रमेश कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से जम्मू विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित 'शक्ति पर्व' में भाग लिया इस अवसर पर, विभिन्न क्षेत्रों की महिला नेताओं और सफल व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, तथा विभिन्न क्षेत्रों में उनकी शक्ति और उपलब्धियों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित वक्ताओं, विद्वानों और छात्रों ने विचारोत्तेजक चर्चाओं और कहानी सुनाने वाले सत्रों में भाग लिया, जिसमें समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। मंडलायुक्त रमेश कुमार मुख्य अतिथि थे, जबकि देवयानी राणा विशिष्ट अतिथि थीं। अपने संबोधन में मंडलायुक्त ने जीवन के विभिन्न चरणों में सामाजिक पूर्वाग्रहों के कारण महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इन गहरी जड़ जमाए रूढ़ियों को तोड़ने

की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और दर्शकों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि महिला सशक्तिकरण को केवल एक दिन के लिए स्वीकार न किया जाए, बल्कि पूरे वर्ष सामाजिक दृष्टिकोण और कार्यों में परिलक्षित किया जाए। कई महिला वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। देवयानी राणा ने मीडिया उद्योग में रूढ़ियों को तोड़ने की अपनी यात्रा को साझा किया और मीडिया उद्योग में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के बारे में बात की।

तस्करी की कोशिश नाकाम, 02 गोवंश बचाए गए

जम्मू, 11 मार्च । जम्मू पुलिस ने ऑपरेशन कामधेनु के तहत गोवंश तस्करों के खिलाफ शिकंजा कसते हुए मनवाल पुलिस चौकी की पुलिस टीम ने गोवंश तस्करी की कोशिश नाकाम की है जिसमें नाका नडाल मनवाल में पंजीकरण संख्या जेके02सीपी/2486 वाले वाहन महिंद्रा से 02 गोवंश बचाए गए। वाहन के चालक शकील अहमद पुत्र बशीर अहमद निवासी नलगूर, कठुआ को गिरफ्तार कर लिया गया। 02 गोवंश बचाए गए और वाहन जब्त किए गए।

आईजीपी कश्मीर ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 11 मार्च । कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक वी.के. बिरदी-आईपीएस ने मंगलवार को पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) कश्मीर में सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सभी रेंज के डीआईजी, जिला एसएसपी, एसओ टू आईजीपी कश्मीर, जेडीपी जेडपीएचक्यू, एसपी पीसी श्रीनगर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक की शुरुआत जिला अधिकारियों से हालिया सुरक्षा रुझानों पर अपडेट के साथ हुई जिसमें कश्मीर क्षेत्र में स्थिरता और तत्परता बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। अधिकारियों ने उभरते सुरक्षा परिदृश्य को रेखांकित करते हुए प्रस्तुतियां दीं। मुख्य चर्चाएं शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दूरदर्शी रणनीति, निर्बाध खुफिया समन्वय और सक्रिय सार्वजनिक सहयोग की आवश्यकता पर केंद्रित थीं। आईजीपी कश्मीर ने राष्ट्र विरोधी गतिविधियों की बारीकी से निगरानी करने और सभी जिलों में क्षेत्रीय नियंत्रण को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों से सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करने के लिए क्षेत्र वर्चस्व अभ्यास और कमजोर क्षेत्रों में रात की गश्त तेज करने का आग्रह किया। परिचालन पक्ष को संबोधित करते हुए आईजीपी कश्मीर ने पुलिस स्टेशन और उप-मंडल स्तर पर पुलिसिंग में सुधार पर जोर दिया, विशेष रूप से रिकॉर्ड निर्माण और जांच में। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाली जांच का आह्वान किया और परीक्षण स्तर पर लगातार अनुवर्ती कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया।

आईजीपी ने बेहतर जनसंपर्क बनाने और लोगों के प्रति संवेदनशील पुलिसिंग को प्राथमिकता देने के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

उपायुक्त जम्मू ने नहर से गाद निकालने के काम का निरीक्षण किया

जम्मू 11 मार्च। उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य ने जम्मू विश्वविद्यालय से रेलवे स्टेशन और त्रिकुटा नगर क्षेत्रों तक फैली नहर के किनारे गाद निकालने और सफाई के काम का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। जम्मू नगर निगम के कमिश्नर डॉ. देवांश यादव और वरिष्ठ अधिकारियों की टीम भी उनके साथ थी। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने किसी भी संभावित पर्यावरणीय खतरे और दुर्घटना को रोकने के लिए निकाली गई गाद को तुरंत हटाने और उचित तरीके से निपटाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने एसडीएम जम्मू दक्षिण और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यकारी अभियंता को नहर के किनारे किसी भी अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश जारी किए। यह पहल नहर के बुनियादी ढांचे के समय पर रखरखाव और मरम्मत सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन के चल रहे प्रयासों के अनुरूप है। पिछले महीने हुई एक बैठक में डीसी ने सिंचाई चैनलों के अंतिम छोर

तक कुशल जल प्रवाह की गारंटी के लिए मरम्मत और गाद हटाने की गतिविधियों में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया था। उन्होंने अतिक्रमण के किसी भी मुद्दे को तेजी से हल करने के लिए सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के कर्मचारियों द्वारा सतर्क जमीनी निगरानी का भी आदेश दिया।

सीएचसी सुंबल में नवीनतम सुविधाओं के लिए ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट विकसित की जा रही है: सकीना इत्तू

जम्मू 11 मार्च। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुंबल को उप-जिला अस्पताल स्तर पर अपग्रेड करने के मानदंडों पर हिलाल अकबर लोन के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि आईपीएचएस 2022 मानदंडों के अनुसार सीएचसी सुंबल को उप-जिला अस्पताल में अपग्रेड करना संभव नहीं है। उन्होंने सदन को बताया कि आईपीएचएस 2022 दिशानिर्देशों के अनुसार, 5 लाख से कम आबादी वाले और एक कार्यात्मक जिला अस्पताल वाले जिले उप-जिला अस्पताल के लिए योग्य नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एसडीएच दावर गुरेज को जिले में बर्फ से ढके क्षेत्र के रूप में मंजूरी दी गई है। मंत्री ने सदन को यह भी

बताया कि लगभग 14 स्वास्थ्य सुविधाएं प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्ति कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सीएचसी सुंबल जनशक्ति, मशीनरी, उपकरण, बुनियादी ढांचे, डायलिसिस इकाई, चिकित्सा और आपातकालीन उपकरणों के मामले में अच्छी तरह से सुसज्जित है, जो जिला बांदीपोरा में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने सदन को बताया कि पीएम-एबीएचआईएम के तहत सीएचसी सुंबल में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (बीपीएचयू) भी विकसित की जा रही है, जो उच्च सुविधाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी होगी। मंत्री ने यह भी बताया कि विभाग मौजूदा स्वास्थ्य संस्थानों में उन्नयन के बजाय जनशक्ति, बुनियादी ढांचे और सेवाओं को मजबूत करने के माध्यम से मौजूदा स्वास्थ्य संस्थानों के समेकन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने विधानसभा में घोषणा की कि सरकार सरकारी मेडिकल कॉलेज, हंदवाड़ा के निर्माण के लिए बाढ़ संभावित स्थल के चयन की विस्तृत जांच करेगी, जिससे सरकारी खजाने को काफी नुकसान हुआ है। मंत्री ने यह बात विधायक सज्जाद गनी लोन, फैयाज अहमद मीर, कैसर जमशीद लोन, मीर सैफुल्लाह और शेख खुर्शीद द्वारा जीएमसी हंदवाड़ा की स्थापना के संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों के उत्तर देते हुए कही।

सरकार उधमपुर में विशिष्ट फसल, विदेशी सब्जियों की खेती पर ध्यान केंद्रित कर रही है: कृषि मंत्री

जम्मू 11 मार्च। कृषि उत्पादन मंत्री जावेद अहमद डार ने कहा कि सरकार कैपेक्स बजट और एचएडीपी 2024-25 के तहत उधमपुर जिले में विशिष्ट फसलों (पहाड़ी लहसुन) के तहत क्षेत्र विस्तार और पारंपरिक और विदेशी सब्जियों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

मंत्री बलवंत सिंह मनकोटिया द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

मंत्री ने कहा कि सी.एस.एस. योजना राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सेवना और लट्टी ब्लॉक को प्राथमिकता दी गई है, जबकि चेनानी और लट्टी ब्लॉक में जे.के.सी.आई.पी. परियोजना के तहत पहाड़ी लहसुन, मक्का, सब्जियां, औषधीय सुगंधित

पौधे और दलहन, सब्जियों को बढ़ावा देने पर विचार किया जा रहा है।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए इन क्षेत्रों में सेब, अखरोट, नाशपाती, कीवी के उच्च घनत्व वाले पौधों के रोपण द्वारा क्षेत्र विस्तार की योजना बनाई गई है, इसके अलावा, 2025-26 के दौरान एचएडीपी और सी.एस.एस. के तहत चेक डैम, जल भंडारण टैंक, जल संचयन टैंक, पीने योग्य जियोटैग जैसे सिंचाई बुनियादी ढांचे की योजना बनाई गई है।

उन्होंने बताया कि पुराने जीर्णोद्धार वाले बागों को समय के साथ उच्च घनत्व वाले बागों में बदलने की योजना बनाई गई है। मंत्री ने कहा कि उधमपुर जिले के चेनानी निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न कृषि योजनाओं के तहत 20031 लाभार्थियों को कवर किया गया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं, कैपेक्स और एचएडीपी परियोजनाओं सहित सभी कृषि योजनाओं को कृषि विभाग द्वारा पूरे उधमपुर जिले में कार्यान्वित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 2024-25 में एचएडीपी की विभिन्न परियोजनाओं के तहत 1150 लाभार्थियों को कवर किया गया है और लाभान्वित किया गया है, और उधमपुर जिले के चेनानी निर्वाचन क्षेत्र में 2024-25 में पीडीएमसी, पीकेवीवाई, एसएमएएम, आरकेवीवाई, एनएफएसएम के तहत 366 लाभार्थियों को कवर किया गया है।

बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने-रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है। ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

टारगेट किलिंग पर कांग्रेस का हल्ला बोल कहा चोर मचाए शोर

कठुआ 11 मार्च (हि.स.)। बिलावर हत्याकांड सहित जिला कठुआ के पहाड़ी इलाकों में बढ़ती आंतकी गतिविधियों के खिलाफ कांग्रेस पार्टी कठुआ इकाई ने केंद्र सरकार और यूटी प्रशासन को घेरा।

मंगलवार को कठुआ जिला सचिवालय के सामने कांग्रेस पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं ने बढ़ती आंतकी गतिविधियों के साथ-साथ टारगेट किलिंग, राज्य का दर्जा और कानून व्यवस्था को प्रदेश के मुख्यमंत्री के अधीन लाने की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यूटी प्रशासन और केंद्रीय गृहमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में विशु अंडोत्रा, रॉबिन शर्मा, निर्दोष शर्मा, काजल राजपूत सहित कई अन्य युवा नेताओं ने कहा कि भाजपा जम्मू कश्मीर की आवाम को गुमराह करने का प्रयास कर रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले चोर मचाए शोर वाला काम कर रहे हैं। सिक्योरिटी फोर्सेज गृह मंत्रालय के पास है, तो फिर गृह मंत्रालय का पुतला क्यूं नहीं जलाया और जवाब हमसे मांगते हैं, जबकि अपनी नाकामी छुपाने के लिए लोगों को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब से जम्मू कश्मीर को यूटी का दर्जा दिया गया है तब से जम्मू संभाग के जिला कठुआ के पहाड़ी क्षेत्रों में आंतकी गतिविधियां बढ़ी है, टारगेट किलिंग जैसे कई वारदाते हो रही हैं, जबकि कानून व्यवस्था का जिमा गृह मंत्रालय के अधीन है। उन्होंने कहा कि गत दिनों बिलावर में हुई घटना को लेकर भाजपा के नेता रोटियां सेक रहे हैं।

स्ट्रीट वेंडर्स से ई श्रम कार्ड के लिए पंजीकरण करने का आग्रह किया

जम्मू, 11 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रवक्ता और पूर्व उपाध्यक्ष बलबीर राम रतन ने स्ट्रीट वेंडर्स को सरकार की पहल के तहत सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए ई-श्रम कार्ड के लिए पंजीकरण करने की सलाह दी है। जम्मू शहर में विक्रेताओं से बात करते हुए बलबीर ने इस बात पर जोर दिया कि इस योजना से स्ट्रीट वेंडर्स, हॉकर्स, दिहाड़ी मजदूरों, निर्माण श्रमिकों और अन्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को लाभ मिलता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पंजीकृत श्रमिकों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत आकस्मिक मृत्यु या पूर्ण विकलांगता के मामले में 2 लाख रुपये का बीमा मिलता है और आंशिक विकलांगता के लिए 1 लाख रुपये का बीमा मिलता है। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के समय प्रदान किया गया 12 अंकों का यूएएन श्रमिकों को कई पंजीकरणों के बिना देश भर में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन योजनाओं और कौशल विकास कार्यक्रमों तक पहुँचने की अनुमति देता है। 16-59 वर्ष की आयु के श्रमिक जो आयकर दाता नहीं हैं वे अपने आधार, बैंक विवरण और मोबाइल नंबर का उपयोग करके सीएससी, ई-श्रम वेबसाइट या स्थानीय सरकारी कार्यालयों में नि:शुल्क पंजीकरण करा सकते हैं।

एसएमवीडीयू ने तीसरे तवी महोत्सव में अमर महल की वास्तुकला की झलक दिखाई

जम्मू, 11 मार्च (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड लैंडस्केप डिजाइन (एसओएएलडी) ने तीसरे तवी महोत्सव में अपनी अभूतपूर्व डिजिटल प्रस्तुति - अमर महल की वास्तुकला की भव्यता को उजागर करना - के साथ एक अमिट छाप छोड़ी। एसओएएलडी में सहायक प्रोफेसर, एआर अदिति शर्मा द्वारा दी गई प्रस्तुति में जम्मू की विरासत संरचनाओं पर व्यापक शोध पर प्रकाश डाला गया, जो अमर महल की वास्तुकला की चमक के बारे में गहन जानकारी प्रदान करता है।

अमर महल पैलेस में लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा द्वारा उद्घाटन किए गए इस महोत्सव ने अमर महल संग्रहालय और पुस्तकालय के स्वर्ण जयंती समारोह को चिह्नित किया। हरि तारा चैरिटेबल ट्रस्ट (एचटीसीटी) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री और एचटीसीटी के अध्यक्ष डॉ. करण सिंह सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ प्रमुख कलाकार, इतिहासकार और शिक्षाविद भी शामिल हुए।

अदिति शर्मा के मार्गदर्शन में छात्रों ने चार महीनों में अमर महल के जटिल वास्तुशिल्प विवरणों का सावधानीपूर्वक दस्तावेजीकरण किया। उनके अध्ययन में विस्तृत योजनाएँ, ऊँचाई, खंड और उन्नत 3डी विज़ुअलाइज़ेशन शामिल थे, जो समय के साथ महल के विकास को दर्शाते हैं। एक गतिशील वीडियो ने प्रस्तुति को और बेहतर बनाया, जो इस प्रतिष्ठित संरचना के पीछे के शिल्प कौशल पर एक गहन नज़र डालता है। एसओएएलडी के प्रमुख, एआर अभिनेय गुप्ता ने छात्रों को कठोर प्रक्रिया के दौरान मार्गदर्शन दिया, विरासत संरक्षण में व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा दिया। कुलपति प्रो. प्रगति कुमार ने टीम की उपलब्धि की सराहना की और भविष्य की पीढ़ियों के लिए वास्तुकला विरासत को संरक्षित करने में इसकी भूमिका पर जोर दिया।

डॉ. ज्योत्सना सिंह, हरि तारा चैरिटेबल ट्रस्ट और अमर महल संग्रहालय और पुस्तकालय द्वारा समर्थित, यह पहल डोगरा विरासत की स्थायी भव्यता का प्रमाण है। उत्सव में एसएमवीडीयू की भागीदारी अकादमिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति इसके समर्पण को रेखांकित करती है, जो वास्तुकला शिक्षा में एक अग्रणी के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करती है।

धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के वास्तविक शीर्ष अधिकारी पर मामला दर्ज किया

जम्मू, 11 मार्च (हि.स.)। अपराध शाखा (सीबी) ने करोड़ों की धोखाधड़ी के लिए कटरा स्थित कंपनी के वास्तविक शीर्ष अधिकारी और अन्य पर मामला दर्ज किया है जिसमें कई व्यापारियों से लगभग 25 करोड़ रुपये की ठगी की गई है।

अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) जम्मू में रविंदर कुमार गुप्ता (प्रबंधक हिंद एग्रो फूड्स) जम्मू से एक लिखित शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि राजेश्वर सबरवाल पुत्र श्री शाम लाल निवासी मकान संख्या 122, सेक्टर संख्या एक गुरुद्वारा चन्नी हिम्मत के पास जम्मू ने अन्य लोगों के साथ आपराधिक साजिश रचकर उसके साथ धोखाधड़ी की और लगभग 04.30 करोड़ रुपये मूल्य के चावल और दालों का गबन किया जो उसने सेना को आपूर्ति करने के बहाने शिकायतकर्ता से धोखाधड़ी से प्राप्त किए थे।

आरोपी झूठे आश्वासन पर व्यापारियों से धोखाधड़ी करके उत्पादों की आपूर्ति प्राप्त करता है विश्वास प्राप्त करने के लिए कुछ समय के लिए कुछ भुगतान करता है और जब उसे बड़ी मात्रा में उत्पाद प्राप्त हो जाते हैं तो अचानक भुगतान बंद कर देता है। उसने अन्य प्रतिष्ठित व्यापारियों के साथ भी लगभग 20-25 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है जिसमें उसने यही तरीका अपनाया है।

एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर कार्यशाला आयोजित

डोडा, 11 मार्च (हि.स.)। इस मौके पर मुहिम को आगे बढ़ाने वाले जम्मू के पूर्व डिप्टी मेयर बलदेव सिंह बलोरिया मुख्य तौर पर उपस्थित रहे। इस कार्यशाला के द्वारा कोशिश की जा रही है कि इस मुहिम से लोगों को किस प्रकार जोड़ा जाए। कार्यशाला में एक राष्ट्र एक चुनाव पहल के महत्व पर जोर दिया गया तथा इसके सफल कार्यान्वयन के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर जिला परिषद डोडा से अध्यक्ष धनंतर कोतवाल, उपाध्यक्ष संगीता भगत सहित परिषद के सदस्य बाबू राम, गजे सिंह राणा उपस्थित रहे। वही जिला किश्तवाड़ से जिला परिषद के सदस्य, किश्तवाड़ म्युनिसिपल काउंसिल के सदस्य चुनी लाल शान, सुरेश कुमार शर्मा मौजूद रहे। कार्यशाला के दौरान बलदेव सिंह बलोरिया ने सरकार द्वारा वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर लोगों को जानकारी प्रदान की।

गुज्जर बक्करवालों के लिए चिकित्सा और पशु चिकित्सा शिविर आयोजित

डोडा, 11 मार्च (हि.स.)। स्थानीय आबादी की मदद करने और लोगों तक पहुंच बनाने के लिए भारतीय सेना ने सियोज और धर्मकोट में गुज्जर और बक्करवालों के लिए चिकित्सा और पशु चिकित्सा शिविर आयोजित करने की पहल की है।

शिविर का उद्घाटन भारतीय सेना ने किया जिन्होंने स्थानीय लोगों को भारतीय सेना की ओर से बिना शर्त और हमेशा के लिए समर्थन का आश्वासन दिया। शिविर के दौरान पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को आवश्यक चिकित्सा कवर प्रदान करने के लिए इस इकाई की एक चिकित्सा टीम जिसमें चिकित्सा अधिकारी/नर्सिंग सहायक शामिल थे। आस-पास के गांवों से बड़ी संख्या में मरीज चिकित्सा जांच के लिए आए। इस चिकित्सा शिविर का आयोजन विभिन्न प्रकार की दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और मरीजों की जांच के लिए सुविधाओं सहित आवश्यक व्यवस्था करके किया गया था।

डॉ. कर्ण सिंह को सरल संस्कृत बोध भेंट की, देववाणी संस्कृत के प्रचार प्रसार पर विचार विमर्श किया

जम्मू, 11 मार्च (हि.स.)। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट रायपुर ठठर बनतालाब जम्मू के अध्यक्ष एवं राज्य पुरस्कार से सम्मानित महंत रोहित शास्त्री ने आज प्रतिष्ठित राजपरिवार के प्रमुख महामहिम महाराज डॉ. कर्ण सिंह जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर महंत रोहित शास्त्री ने महाराज डॉ. कर्ण सिंह जी को सरल संस्कृत बोध नामक पुस्तक भेंट की और प्रदेश में देववाणी संस्कृत के प्रचार-प्रसार को लेकर विस्तृत चर्चा की।

महंत रोहित शास्त्री ने इस अवसर पर कहा कि संस्कृत भारतीय संस्कृति की जड़ है और इसे संरक्षित व संवर्धित करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि महाराज डॉ. कर्ण सिंह जी का संस्कृत और भारतीय परंपरा के प्रति विशेष अनुराग है तथा उनका योगदान सदैव उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रदेश में संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाने और इसकी महत्ता को समझाने में राजपरिवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

महंत रोहित शास्त्री ने कहा संस्कृत न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसके अध्ययन से वैदिक ज्ञान, दर्शन और भारतीय परंपराओं का संरक्षण संभव हो सकता है। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान संस्कृत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन, संस्कृत शिक्षण संस्थानों की स्थापना तथा युवाओं को संस्कृत अध्ययन के प्रति प्रेरित करने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई।

महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता पर व्याख्यान आयोजित

राजौरी, 11 मार्च (हि.स.)। युवा छात्रों को शिक्षित और सशक्त बनाने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत भारतीय सेना ने जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी), कोटरंका में महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता पर एक सूचनात्मक व्याख्यान आयोजित किया।

व्याख्यान का उद्देश्य किशोरियों को व्यक्तिगत स्वच्छता और समग्र कल्याण के महत्व के बारे में शिक्षित करना था साथ ही युवा महिलाओं विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, द्वारा सामना की जाने वाली सामान्य स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को संबोधित करना था। व्याख्यान में स्वच्छता बनाए रखने, उचित पोषण और निवारक स्वास्थ्य देखभाल के महत्व जैसे आवश्यक विषयों को शामिल किया गया।

व्याख्यान में महिलाओं विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में, के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर भी चर्चा की गई और संसाधन-विवश वातावरण में स्वच्छता बनाए रखने पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त व्याख्यान में समाज में महिलाओं की भूमिका और लैंगिक समानता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

व्याख्यान के बाद लड़कियों के लिए एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया गया। जेएनवी

कोटरंका की कुल 56 छात्राएं और 08 शिक्षिकाओं ने सत्र में गहरी रुचि दिखाई और चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया। व्याख्यान के दौरान दी गई बहुमूल्य जानकारी और मार्गदर्शन की छात्राओं ने सराहना की। भारतीय सेना द्वारा की गई यह पहल युवा लड़कियों को जागरूक और आत्मविश्वास से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे उन्हें अपने स्वास्थ्य के बारे में सूचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। इस तरह के कार्यक्रम सेना और स्थानीय समुदाय के बीच के बंधन को मजबूत करते हैं जिससे युवा पीढ़ी के लिए एक उज्जवल और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित होता है।

शहीद भगत सिंह राजगुरु और सुखदेव का शहादत दिवस 23 मार्च को पूरे जम्मू में मनाया जाएगा

विजयपुर, 11 मार्च (हि.स.)। भारत के वीर सपूत शहीद भगत सिंह, शिवराम हरि राजगुरु और सुखदेव थापर की शहादत को याद करने के लिए 23 मार्च को पूरे जम्मू प्रांत में शहीदी दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर विभिन्न संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और देशभक्त नागरिकों द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आजाद हिंद फौज के जम्मू प्रांत के संयोजक सूरज प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि शहीदी दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिनमें श्रद्धांजलि सभाएं, विचार गोष्ठियां और देशभक्ति से जुड़े सांस्कृतिक आयोजन शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि यह दिन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि 23 मार्च 1931 को ब्रिटिश सरकार ने क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी देकर शहीद कर दिया था। सूरज प्रकाश ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने अपनी कम उम्र में ही देश की आजादी के लिए बड़ बलिदान दिया।

डोडा में रक्तदान शिविर का आयोजन

डोडा, 11 मार्च (हि.स.)। भारतीय सेना ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी और रेड क्रॉस डोडा के साथ मिलकर डोडा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसका उद्देश्य स्थानीय अस्पतालों की सहायता करना और क्षेत्र में चल रही रक्त की कमी को दूर करना था। सर्जरी, विभिन्न चिकित्सा स्थितियों के उपचार और आपात स्थितियों से गुजर रहे रोगियों के लिए रक्त की अत्यधिक मांग के साथ भारतीय सेना स्थानीय स्वास्थ्य सेवा पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए आगे आ रही है। रक्तदान शिविर ने भारतीय सेना के सैनिकों को एक महान कार्य में योगदान देने और जीवन बचाने का अवसर प्रदान किया। इस कार्यक्रम में कुल 17 सैनिक शामिल हुए। शिविर का आयोजन भारतीय सेना और सरकारी मेडिकल कॉलेज डोडा के योग्य चिकित्सा पेशेवरों की देखरेख में किया गया जिसमें सभी दाताओं की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित की गई। भारतीय सेना समुदाय की सेवा के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है और यह रक्तदान शिविर डोडा के लोगों के स्वास्थ्य और भलाई का समर्थन करने के लिए भारतीय सेना द्वारा की जा रही कई पहलों में से एक है। भारतीय सेना राष्ट्र और उसके नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए और भी प्रतिबद्ध है। अपनी प्राथमिक रक्षा भूमिका से परे भारतीय सेना सामुदायिक कल्याण में भी सक्रिय भूमिका निभाती है। रक्तदान शिविर, आपदा राहत प्रयास और चिकित्सा आउटरीच कार्यक्रमों सहित विभिन्न स्वास्थ्य और सामाजिक पहलों का आयोजन करती है।

लैंगिक समानता पर संगोष्ठी का आयोजन किया

कठुआ 11 मार्च (हि.स.)। जीडीसी महानपुर के महिला सशक्तिकरण समिति के सहयोग से समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र विभाग ने लैंगिक समानता पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ संगीता सूदन के मार्गदर्शन में, डॉ सपना देवी संयोजक महिला सशक्तिकरण समिति, प्रो नमिता समाजशास्त्र विभाग, बबली अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गतिविधि का मुख्य उद्देश्य लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। लैंगिक समानता एक मौलिक मानव अधिकार है जो एक शांतिपूर्ण समृद्ध और टिकाऊ दुनिया के लिए आवश्यक है।

भाजपा नेता ने उमर के बजट की आलोचना की, जनविरोधी बताया

जम्मू, 11 मार्च (हि.स.)। वरिष्ठ भाजपा नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्य सचिव पवन शर्मा ने उमर अब्दुल्ला के बजट की कड़ी आलोचना करते हुए इसे लोगों की आकांक्षाओं के साथ सीधा विश्वासघात और जन कल्याण पर आघात बताया। शर्मा ने दैनिक वेतनभोगी, संविदा कर्मचारियों, समेकित श्रमिकों और एनवाईसी की चिंताओं को दूर करने में बजट की विफलता पर गहरी निराशा व्यक्त की जो वित्तीय स्थिरता के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा यह बजट इन कर्मचारियों की दुर्दशा के प्रति सरकार की असंवेदनशीलता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने इन कर्मचारियों को नियमित करने और उन्हें नौकरी की सुरक्षा प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता को नजरअंदाज कर दिया है। शर्मा ने कहा ठोस उपायों की कमी ने युवा बेरोजगारी को और बढ़ा दिया है जिससे हजारों लोग अनिश्चितता में फंस गए हैं। उन्होंने प्रशासन से इन कर्मचारियों को उनका बकाया और दीर्घकालिक रोजगार स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। सरकार पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए शर्मा ने कहा कि बजट में स्पष्ट रूप से कश्मीर केंद्रित पहलों का पक्ष लिया गया है जबकि जम्मू प्रांत की विकासात्मक जरूरतों की उपेक्षा की गई है। उन्होंने कहा जम्मू के पर्यटन क्षेत्र जिसमें अपार संभावनाएं हैं को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है जो नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार के भेदभावपूर्ण रवैये को उजागर करता है। शर्मा ने जम्मू के लोगों से इन नीतियों को पहचानने और उनका विरोध करने का आह्वान किया जो उन्होंने दावा किया कि जानबूझकर क्षेत्र की प्रगति में बाधा डालती हैं।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR

OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION KHOUR

E-MAIL: xendivkhour@gmail.com

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Fresh Short e-NIT No. 64 of 2024-2025/Khour Dated 10-03-2025

For and on behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir e-tenders are invited on percentage basis from approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State / Central Governments for each of the following works

S. No	Name of Work	Name of Division	Advertised Cost (Rs. Lakh)	Cost of document (in Rs.)	Earnest Money (in Rs.)	Time Allowed for completeon	Time and date of opening of tender	Class of Contractor
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Macadamization of link road from main Devipur road to Mohalla Ram Mandir Pyt Devipur Under Non-Plan (2nd Call) 2024-25	PWD (R&B) Division Khour	4.98	600/-	9960/-	15 Days	(1400 Hrs) on or after 18-03-2025	A, B, C & D

Head of Account : Non - Plan

Position of AAA : ACCORDED

Position of Technical Sanction : ACCORDED

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen / downloaded from the departmental website http://jktenders.gov.in as per below schedule :-

1	Date of Issue of Tender Notice	10-03-2025
2	Period of downloading of bidding documents	From 11-03-2025 to 17-03-2025 upto 1800 Hrs
3	Date, Time and place of pre-bid meeting	13-03-2025 at 1300 Hrs. in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Khour
4	Bid submission Start Date	11-03-2025
5	Bid Submission End Date	17-03-2025 upto 1800 Hrs
6	Date & time of opening of Technical Bids (Online)	18-03-2025 on or after 1400 Hrs in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) division Khour
7	Date & time of opening of Financial Bids (Online)	To be notified after technical bid evaluation is completed

1.Cost of Tender Documents:- Bids must be accompanied with cost of Tender document (dated between the bid start date and the Bid Submission End date) deposited in M.H. 0059 (Revenue) mentioning therein the name of work / e-Nit No. pledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division Khour (Tender Inviting Authority) as the cost of the tender document. Any deviation in the specified amount, the bid shall be rejected out rightly. The cost of Tender Document is non-refundable.

No :- EE/R&B/KHR/ENIT/624-33 Dated :- 10-03-2025

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
KHOUR

DIP/J-10940/24
Dtd: 11-3-2025

कृषि विज्ञान केंद्र की माँग, उपविधायक मनकोटिया ने उठाई आवाज

जम्मू, 11 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के चेनानी विधानसभा क्षेत्र के विधायक बलवंत सिंह मनकोटिया ने मंगलवार को विधानसभा सत्र के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित करने की माँग उठाई। उन्होंने कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के किसानों के लिए अत्यंत लाभदायक साबित होगा क्योंकि इससे उन्हें उन्नत कृषि तकनीकों, आधुनिक बीजों और नवीनतम खेती संबंधी जानकारियाँ प्राप्त होंगी।

विधायक मनकोटिया ने अपने संबोधन में किसानों की एक और गंभीर समस्या पर ध्यान दिलाया—बंदरों का बढ़ता आतंक। उन्होंने बताया कि बंदरों के हमलों के कारण किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि इस समस्या के समाधान के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए जाएँ।

विधायक ने आश्वासन दिया कि वे अपने क्षेत्र के किसानों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेंगे और उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुँचाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने सरकार से यह भी अपील की कि कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए चेनानी में जल्द से जल्द कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित किया जाए।

पीएचई दिहाड़ी मजदूरों पर लाठीचार्ज की निंदा

जम्मू, 11 मार्च (हि.स.)। मिशन स्टेटहुड जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष सुनील डिंपल ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे पीएचई दिहाड़ी मजदूरों पर लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की है और इस बात की जांच की मांग की है कि किसने इस कार्रवाई का आदेश दिया जबकि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ऐसा कोई निर्देश जारी करने से इनकार किया है। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी द्वारा पांच साल के भीतर दिहाड़ी मजदूरों के लिए स्थायी भर्ती की घोषणा का स्वागत करते हुए डिंपल ने सरकार से लद्दाख यूटी के वेतनमान के अनुसार व्यावसायिक प्रशिक्षकों, एसपीओ, शिक्षकों और स्वास्थ्य सेवा कर्मियों सहित विभिन्न संविदा कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि और उन्हें नियमित करने का आग्रह किया। पिछले एक दशक में एक भी दिहाड़ी मजदूर को नियमित करने में विफल रहने का भाजपा पर आरोप लगाते हुए उन्होंने गृह मंत्रालय पर भेदभाव का आरोप लगाया, जिसमें लद्दाख के वेतन में बढ़ोतरी का हवाला दिया गया जबकि जम्मू-कश्मीर की उपेक्षा की गई। डिंपल ने अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद बढ़ती बेरोजगारी का दावा करते हुए विधानसभा में बहस की मांग की और रिक्त सरकारी पदों के लिए तत्काल नौकरी के विज्ञापन जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करके अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का आह्वान किया और क्षेत्र की 42 प्रतिशत बेरोजगारी दर के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी

संपादकीय

बस करो

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में यह स्वीकार करने के बाद कि दिहाड़ी मजदूरों का नियमितीकरण एक मानवीय मुद्दा है और पूरी तरह से उचित है, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के पास इस समुदाय को पीड़ा की स्थिति से बाहर निकालने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि यह अत्यंत आवश्यक हो गया है।

उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा सत्र के दौरान आज दिहाड़ी मजदूरों के नियमितीकरण के मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक समिति के गठन की घोषणा करके जो रोडमैप तैयार करेगी और जिसे अगले बजट सत्र में पेश किया जाएगा, ने संबंधित दिहाड़ी मजदूरों की उम्मीदों को फिर से जगा दिया है।

उम्मीद है कि इस संबंध में सीएम उमर द्वारा लिए गए निर्णय पर जमीनी स्तर पर कार्रवाई होगी और यह हजारों दिहाड़ी मजदूरों और उनके परिवारों के कल्याण से संबंधित मामले को ठंडे बस्ते में डालने के लिए समय हासिल करने का एक हथकंडा नहीं है, क्योंकि पिछली सरकारों की टालमटोल की रणनीति ने इन मजदूरों के जीवन को बेहद दयनीय बना दिया था।

रिपोर्ट के अनुसार, उक्त समिति में मुख्यमंत्री कार्यालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव के साथ-साथ योजना, सामान्य प्रशासन और विधि विभाग के सचिव सदस्य होंगे और मुख्य सचिव की यह जिम्मेदारी होगी कि गठित समिति अपेक्षित कार्य करें। समिति को सामान्य प्रशासन के माध्यम से दैनिक वेतनभोगियों की संख्या की गहन समीक्षा करने और उनके नियमितीकरण के कानूनी और वित्तीय पहलुओं का आकलन करने के लिए छह महीने का समय दिया जाएगा।

जैसा कि उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि तस्वीर साफ होने के बाद, वह दैनिक वेतनभोगियों को लंबे समय से प्रतीक्षित न्याय प्रदान करने के लिए अगले बजट सत्र में निर्णय की घोषणा करेंगे, यह आवश्यक है कि दैनिक वेतनभोगी विरोध प्रदर्शन बंद कर दें और जल्द से जल्द अनुकूल परिणाम देखने की उम्मीद करें।

यह उल्लेख करना उचित है कि इस मुद्दे को भाजपा विधायकों ने उठाया था, क्योंकि वे विधानसभा में जल शक्ति विभाग के दैनिक वेतनभोगियों पर लाठीचार्ज और हिरासत में लिए जाने का विरोध कर रहे थे और बाद में उन्होंने सदन से बहिर्गमन किया था। विभिन्न श्रेणियों में अनुमानित 67,000 दैनिक वेतनभोगी हैं और वे केंद्र शासित प्रदेश में शासन करने वाली सरकारों से न्याय की मांग कर रहे हैं।

हालांकि यह मुद्दा पुराना है क्योंकि दिहाड़ी मजदूरों ने अतीत में लगभग सभी पार्टियों की सरकारों के समक्ष अपनी पीड़ा प्रस्तुत की है, इसलिए कोई भी पार्टी जम्मू-कश्मीर में इस मामले में पर्याप्त कार्रवाई न करने के लिए दूसरे पक्ष पर आरोप नहीं लगा सकती या उसे दोषी नहीं ठहरा सकती, लेकिन चूंकि गेंद अब एनसी के पाले में है, इसलिए यह उचित है कि इस पार्टी के नेतृत्व को इस मामले में असाधारण ईमानदारी दिखानी चाहिए और सत्ता में अपने कार्यकाल के दौरान आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए। निश्चित रूप से, इस मुद्दे में सकारात्मक परिणाम एनसी पार्टी को जम्मू-कश्मीर में लगातार सरकारों से न्याय की मांग करने वाले कई लोगों का दिल जीतने में मदद करेगा।

बदलते ज़माने की रंग बदलती होली

—प्रियंका सौरभ

होली ऐसा त्यौहार है जिसे हर पृष्ठभूमि के लोग मनाते हैं। लोग दुश्मनी भुलाकर एक-दूसरे के गले मिलते हैं। फिर भी, एकता और प्यार का यह त्यौहार बदल रहा है। फाल्गुन की खुशियाँ अब दूर की यादों की तरह लगती हैं। होली के रंग, कुछ सालों में फीके पड़ गए हैं। बड़े-बुजुर्ग इस बात पर अफ़सोस जताते हैं कि अब हंसी-मजाक, उत्साह और वह जीवंत भावना नहीं रही जो कभी इस उत्सव की पहचान हुआ करती थी। रंगों की बौछारें और होली की जीवंतता ने उत्सव के बाद जैसी शांत ले ली है। आओ राधे खेलें फाग, होली आई के हर्षोल्लास और उत्सव के इर्द-गिर्द होने वाली मस्ती-मजाक की आवाज़ें समय के साथ दबती जा रही हैं।

फाल्गुन आते ही होली का उत्साह हवा में घुलने लगा। फाग की ध्वनि गूंजने लगी और हर तरफ़ होली के लोकगीत सुनाई देने लगे। शाम होते ही ढप-चंग के साथ पारंपरिक नृत्यों ने होली के रंग चारों ओर बिखेर दिए। लोग खुशी से एक-दूसरे पर रंग डालते और कोई कड़वाहट नहीं थी, बस खुशी थी। होली की तैयारियाँ वसंत पंचमी से ही शुरू हो जाती थी और समुदाय के आंगन और मंदिर चंग की थाप से जीवंत हो उठते थे। रात में चंग की थाप के साथ नृत्य ने सभी को अपनी ओर आकर्षित कर लिया। दूर से फाल्गुन गीत और रसिया गाने वाले लोग नृत्य में शामिल होकर तारों की छांव में होली का आनंद मनाते थे। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला है, रिश्तों की गर्माहट फीकी पड़ती नज़र आती है। आजकल होली की बधाई अक्सर मोबाइल या इंटरनेट के जरिए भेजे गए हैप्पी होली के साथ शुरू और ख़त्म होती है। पहले जैसा उत्साह और जश्न का माहौल अब नहीं रहा। पहले बच्चे हर मोहल्ले में होली के लिए समूह बनाकर होली का दान इकट्ठा करते थे और खुशी-खुशी किसी पर भी रंग फेंकते थे। अब ऐसा लगता है कि लोग मौज-मस्ती करने के बजाय मोबाइल पर समय बिताने में ज्यादा रुचि रखते हैं।

पहले के समय में पड़ोसियों की बहू-बेटियों को परिवार की तरह माना जाता था। घर स्वादिष्ट व्यंजनों की खुशबू से भर जाते थे और मेहमानों का खुले दिल से स्वागत किया जाता था।

आज, समारोह ज्यादातर अपने घर तक ही सीमित रह गए हैं और समुदायिक भावना कम होती जा रही है।

फ़ोन पर एक साधारण होली मुबारक ने पहले के दिल से जुड़े रिश्तों की जगह ले ली है, जिससे रिश्ते कम मधुर लगने लगे हैं। इस बदलाव के कारण परिवार अपनी बहू-बेटियों को दोस्तों या रिश्तेदारों से मिलने देने में हिचकिचाते हैं। पहले लड़कियाँ होली के दौरान खुशी और हंसी-मजाक करती हुई खुली हवा में घूमती थीं, लेकिन अब अगर कोई लड़की किसी रिश्तेदार के घर ज्यादा देर तक रुकती है, तो उसके परिवार में चिंता पैदा हो जाती है।

होली का त्यौहार खुशियों का मौसम हुआ करता था, जिसकी शुरुआत होली के पौधे लगाने से होती थी। छोटी-छोटी लड़कियाँ गाय के गोबर से वलुडिया बनाती थीं, खूबसूरत मालाएँ बनाती थीं, जिन पर आभूषण, नारियल, पायल और बिछिया होती थीं। दुख की बात है कि ये परंपराएँ अब ख़त्म हो गई हैं। पहले घर पर ही टेसू और पलाश के फूलों को पीसकर रंग बनाया जाता था और महिलाएँ होली के गीत गाती थीं। होली के दिन सभी लोग चंग की ताल पर नाचते हुए जश्न मनाते थे। बसंत पंचमी से ही फाग की धुनें गूंजने लगती थीं, लेकिन अब होली के गीत कुछ ही जगह सुनाई देते हैं। परंपरागत रूप से, विभिन्न समुदायों के लोग ढोलक और चंग की थाप के साथ होली खेलने के लिए एकत्रित होते थे। अब वह जीवंतता कहाँ चली गई?

आज, होली महज़ एक परंपरा की तरह लगती है। हाल के वर्षों में, सामाजिक गुस्सा और विभाजन इतना बढ़ गया है कि कई परिवार इस त्यौहार के दिन घर के अंदर रहना पसंद करते हैं। वैसे तो लोग सालों से होली का त्यौहार उत्साह के साथ मनाते आ रहे हैं, लेकिन इस त्यौहार का असली उद्देश्य भाईचारा बढ़ाना और नकारात्मकता को दूर करना है, जो अब कहीं खो गया है। समाज कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और सामाजिक असमानता प्रेम, भाईचारे और मानवता के मूल्यों को ख़त्म कर रही है।

एक समय था जब होली एक महत्त्वपूर्ण अवसर था, जब परिवार होलिका दहन देखने के लिए इकट्ठा होते थे और उसी दिन वे खुशी-खुशी एक-दूसरे पर रंग लगाते और अबीर फेंकते थे। समूह में लोग होली की खुशियाँ बाँटने के लिए एक-दूसरे के घर जाते और फगुआ गाते थे। अब, वास्तविकता यह है कि होली पर कुछ ही लोग घर से बाहर रहना पसंद करते हैं। हर महीने और हर मौसम में एक नया त्यौहार आता है, जो हमें उस खुशी की याद दिलाता है जो वे ला सकते हैं। ये उत्सव हमें उत्साहित करते हैं, हमारे दिलों में उम्मीद जगाते हैं और अकेलेपन की भावनाओं को दूर करते हैं, भले ही कुछ पल के लिए ही क्यों न हो। हमें इस त्यौहारी भावना को संजोकर रखना चाहिए।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

होली पर विशेष: राजस्थान के शेखावाटी में चंग पर धमाल गाकर मनाते हैं होली

रमेश सर्राफ धमोरा

शेखावाटी अंचल में होली एक सुप्रसिद्ध लोक पर्व है तथा इस पर्व को क्षेत्र में पूरे देश से अलग ही ढंग से मनाया जाता है। उमंग व मस्ती भरे पर्व होली की शेखावाटी क्षेत्र में बसंत पंचमी के दिन से शुरुआत कर दी जाती है। क्षेत्र में होली के पर्व पर चंग की धुन पर गाई जाने वाली धमालों में यहां की लोक संस्कृति का ही वर्णन होता है। इन धमालों के माध्यम से जहां प्रेमी अपनी प्रेमिकाओं को अपने प्रेम का संदेशा पहुंचाते हैं वहाँ श्रद्धालु लोक देवताओं को याद कर सुख समृद्धि की कामना करते हैं। रात्रि में नवयुवक विभिन्न प्रकार के स्वांग निकाल कर लोगों का भरपूर मनोरंजन करते हैं। गांवों में स्त्रियां रात्रि में चैक में एकत्रित होकर मंगल गीत, बधावे गाती हैं। होली के दिनों में आधी रात तक गांवों में उल्लास छाया रहता है।

उमंग व मस्ती भरे पर्व होली की शुरुआत तब होती है, जबकि बसन्त अपने पूर्ण यौवन पर होता है और बांसुरी की मदहोश करती धुनें और चंग की थाप पर मानव का मन-मयूर नाचने लगता है। होली नजदीक आने पर शेखावाटी में अंचल के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है। शेखावाटी की होली पूरे देश में प्रसिद्ध है। फाल्गुन में सांझ ढलते ही धमाल सुनाई देने लगे हैं। चंग की थाप पर पांव थिरकने लगे हैं और बांसुरी की सुरीली आवाज कानों में मिश्री घोलने लगी है। होली नजदीक आने पर शेखावाटी में अंचल के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है।

शेखावाटी अंचल में होली पर कस्बों में विशेष रूप से गींदड़ नृत्य किया जाता है। गुजराती नृत्य गरवा से मिलता-जुलता गींदड़ नृत्य में काफी लोग विभिन्न प्रकार की चित्ताकर्षक वेशभूषा में नगाड़े की आवाज पर एक गोल घेरे में हाथ में डंडे लिए घूमते हुए नाचते हैं तथा आपस में डंडे टकराते हैं। प्रारम्भ में धीरे-धीरे शुरू हुआ यह नृत्य धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ता जाता है। इसी रफ्तार में डंडों की आवाज भी टकरा कर काफी तेज गति से आती है तथा नृत्य व आवाज का एक अद्भुत दृश्य उत्पन्न हो जाता है जिसे देखने वाला हर दर्शक रोमांचित हुए बिना नहीं रह पाता है। होली के अवसर पर चलने वाले इन कार्यक्रमों से यहाँ का हर एक व्यक्ति स्वयं में एक नई स्फूर्ति का संचार महसूस करता है।

इन नृत्यों की लोक परम्परा को जीवित रखने के लिए क्षेत्र की कुछ संस्थाएं विगत कुछ समय से विशेष प्रयासरत हैं। झुंझुनू शहर में सद्भाव नामक संस्था गत 18 वर्षों से होली के अवसर पर चंग, गींदड़ कार्यक्रम का आयोजन करती आ रही है, जिसे देखने दूरदराज गांवों से काफी संख्या में लोग आते हैं। झुंझुनू, फतेहपुर शेखावाटी, रामगढ़ शेखावाटी, मण्डावा, लक्ष्मणगढ़, चूरू, बिसाऊ, लक्ष्मणगढ़ कस्बों का गींदड़ नृत्य पूरे देश में प्रसिद्ध है। इसी कारण चंग व गीन्दड़ नृत्य का आयोजन शेखावाटी से बाहर अन्य प्रान्तो में भी होने लगा है। धुलंडी के दिन इन नृत्यों का समापन होता है।

राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में हर मोहल्ले में अपनी चंग पार्टी होती है। चंग शेखावाटी क्षेत्र का प्रसिद्ध नृत्य है। इसमें प्रत्येक पुरुष चंग बजाते हुये नृत्य करते हैं। यह मुख्यतया होली के दिनों में किया जाता है। चंग को प्रत्येक पुरुष अपने एक हाथ से थाम कर और दूसरे हाथ से कटरवे का ठेका बजाते हुए वृत्ताकार घेरे में नृत्य करते हैं। घेरे के मध्य में एकत्रित होकर धमाल और होली के गीत गाते हैं। होली के एक पखवाड़े पहले गींदड शुरू हो जाता है। जगह- जगह भांग घुटती है। हालांकि अब ये नजारे कम ही देखने को मिलते हैं। जबकि, शेखावाटी में ढूंढ का चलन अभी है। परिवार में बच्चे के जन्म होने पर उसका ननिहाल पक्ष और बुआ कपडे और खिलौने होली पर बच्चे को देते हैं।

शेखावाटी अंचल के हर गांव कस्बे में रात्रि में लोग एकत्रित होकर चंग की मधुर धुन पर देर रात्रि तक धमाल गाते हुए मोहल्लों में घूमते रहते हैं। होली के अवसर पर बजाया जाने वाला चंग भी इसी क्षेत्र में ही विशेष रूप से बनाया जाता है। चंग की आवाज तो ढोलक की माफिक ही होती है, मगर बनावट ढोलक से सर्वथा भिन्न। चंग ढोलक से काफी बड़ा व गोल घेरे नुमा होता है। होली के प्रारम्भ होते ही गांवों में लोग अपने-अपने चंग (ढप) संभालने लगते हैं। होली चूंकि बसंत ऋतु का प्रमुख पर्व है तथा बसंत पंचमी बसंत ऋतु प्रारम्भ होने की द्योतक है। इसलिए इस अंचल में बसंत पंचमी के दिन से चंग बजाकर होली के पर्व की विधिवत शुरुआत कर दी जाती है।

लोगों का कहना है कि अगर होली के त्यौहार से लोक वाद्य चंग और धमाल को निकाल दिया जाये तो होली का त्यौहार बेजान हो जायेगा। ग्रामीण चंग और धमाल को होली पर्व की आत्मा मानते है। आज ये परम्परा धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। पहले यहां होली का त्योहार प्यार के साथ मनाया जाता था, सब साथ मिलकर चंग पर धमाल गाते थे लेकिन आजकल वो सब खत्म-सा हो गया है। क्षेत्र में बढ़ते शराब के प्रचलन के कारण लोग रात्रि में घरों से बाहर निकलने से डरने लगे हैं तथा गांवों में भी पहले की तरह सामंजस्य नहीं रहा। इसके अलावा ऑडियो कैसेटों के बढ़ते प्रचलन से भी इस लोक पर्व को कृत्रिम-सा बना दिया है। कैसेटों की वजह से पर्व की मौलिकता ही समाप्त होने जा रही है। यदि समय रहते होली पर व्याप्त हो रही कुरीतियों व शराब के चलन की समाप्ति का प्रयास नहीं किया गया तो यह पर्व अपना मूल रूप खो बैठेगा।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

हिंदी: जनमानस की भाषा

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने संसद में कहा था, संसद और देश की भावना यही है कि हिंदी को संघ की सरकारी भाषा स्वीकार किया जाए। मैं समझता हूं कि इस पृष्ठभूमि मे जिस बात का उपबंध संविधान में है वह सामान्यत: स्वीकार्य है कि हिंदी सीखना चाहिए। देश में महत्वपूर्ण स्थान मिलना चाहिए, परंतु इसे वह महत्वपूर्ण स्थान तभी मिल सकता है यदि हम इस उद्देश्य को सद्भावना से प्राप्त करें। संविधान सभा में कमलापति त्रिपाठी ने कहा था भाषा संस्कृति का आधार होती है और संस्कृति राष्ट्रों के इतिहास और जीवन हैं। उनके उत्थान विकास का आधार होती है।

अरुण कुमार दीक्षित

हिंदी को लेकर एक बार फिर उत्तर से लेकर दक्षिण तक बहस जारी है। सबके अपने-अपने दावे हैं। राजनीतिक घाटे-मुनाफे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने तो यहां तक कह दिया कि सरकारी दफ़्तरों से हिन्दी हटाएं, तमिल लागू करें। हिंदी सभी भाषाओं को समाप्त कर देगी। संविधान के अनुच्छेद 343 में कहा गया है कि राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। संविधान के अनुच्छेद 343 (1) में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा मे लंबी चर्चा के बाद हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा दिया गया था। भारत की राष्ट्रभाषा अपनी ही होनी चाहिए। जैसा कि पूरी दुनिया के अधिकांश देशों में स्वयं की भाषाएं हैं। संविधान के अनुच्छेद 351 में कहा गया है कि हिंदी का इस प्रकार विकास किया जाए कि हिंदी भारत की सामासिक संस्कृति की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। उसके सरल और सुबोध को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

भारतीय संविधान में भारत की किसी भी भाषा को राष्ट्रभाषा की स्वीकृति नहीं है। हालांकि हिंदी एवं अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा माना जाता है। संविधान में 22 भाषाओं को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थान दिया गया है। विकल्प है कि केंद्र और राज्यों की सरकारें स्वयं चाहे तो 22 भाषाओं में किसी भी भाषा को आधिकारिक भाषा के रूप में चुनाव कर सकेंगे। यह भाषाएं हिंदी, असमिया, उड़िया, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगू , बोडो, डोगरी, बंगाली उर्दू और गुजराती हैं। केंद्र सरकार ने कामकाज के लिए हिंदी और रोमन को आधिकारिक भाषा माना है। अलग-अलग राज्यों में स्थानीय भाषाएं लागू की गई है। हिंदी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव संविधान सभा मे दक्षिण भारत के गोपाल स्वामी अय्यंगर ने रखा था। गांधीजी ने 1918 में हिंदी को राजभाषा बनाने की बात की थी। उन्होंने कहा था हिंदी जनमानस भाषा है।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने संसद में कहा था, संसद और देश की भावना यही है कि हिंदी को संघ की सरकारी भाषा स्वीकार किया जाए। मैं समझता हूं कि इस पृष्ठभूमि मे जिस बात का उपबंध संविधान में है वह सामान्यत: स्वीकार्य है कि हिंदी सीखना चाहिए। देश में महत्वपूर्ण स्थान मिलना चाहिए, परंतु इसे वह महत्वपूर्ण स्थान तभी मिल सकता है यदि हम इस उद्देश्य को सद्भावना से प्राप्त करें। संविधान सभा में कमलापति त्रिपाठी ने कहा था भाषा संस्कृति का आधार होती है और संस्कृति राष्ट्रों के इतिहास और जीवन हैं। उनके उत्थान विकास का आधार होती है।

संविधान लागू हुआ तब यह व्यवस्था दी गई कि 1965 तक यानी 15 वर्षों तक अंग्रेजी का इस्तेमाल किया जा सकता है। जब तक सीमा पूरी होती उससे पहले 1957 में ही अंग्रेजी हटाओ मुहिम को सक्रिय आंदोलन में डॉ. लोहिया ने बदल दिया। लोहिया का मानना था कि हिंदी राष्ट्रभाषा होनी चाहिए। सरकारी कामकाज में इसका इस्तेमाल बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि संघ की भाषा हिंदी होगी। यह भी कहा था की अंग्रेजी हटाओ आंदोलन का मतलब हिंदी लाओ नहीं है, बल्कि मातृभाषा, लोक भाषा के बिना लोक राज असम्भव है। अंग्रेजी के सार्वजनिक प्रयोग को बंद करने की मांग की लोहिया हिंदी के बड़े पैरोकार थे। लोहिया हिंदी के विकास में ही लोकतंत्र का विकास देखते थे। उनका मानना था, कि विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका में मातृभाषा का प्रयोग न के बराबर आम जनता की प्रजातंत्र में शत-प्रतिशत भागीदारी के रास्ते का रोड़ा है। वे संसद में कम समय ही रहे। लोहिया संसद में अंग्रेजी में कभी नहीं बोले। वे कहते वोट लोक भाषा में मांगते हैं, चुनाव बाद अंग्रेजी बोलना लोकद्रोह है। डॉ लोहिया का भाषा चिंतन विशेष प्रकार का था। गांधीजी के बाद डॉ लोहिया स्वतंत्र भारत के अकेले नेता रहे जो भाषा के विषय पर राष्ट्रीय संदर्भ में विचार करते थे। वे अंग्रेजी को सामंती भाषा बताते हुए खतरों से आगाह करते रहे। कहा कि यह श्रमिकों, किसानों और शारीरिक श्रम करने वालों की भाषा नहीं है। अखिल भारतीय अंग्रेजी हटाओ सम्मेलन के प्रथम सम्मेलन का अधिवेशन नासिक महाराष्ट्र में 28, 29 अक्टूबर 1959 को हुआ। अधिवेशन में कई प्रांतो के प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

हिंदी भाषा के अखिल भारतीय महत्व का पहला कारण यह है कि वह भारत की सबसे बड़ी जाति की भाषा है। दूसरा कारण यह है कि उत्तर भारत, बंगाल, गुजरात और महाराष्ट्र तक की भाषाओं और हिंदी के शब्द भंडार में इतनी ज्यादा समानता है, कि लोग उसे आसानी से समझ लेते हैं। तीसरा कारण है राजस्थान के व्यापारी और पूंजीपति भारत के विभिन्न प्रांतो में फैले हुए हैं और साधारणत: हर जगह हिंदी शिक्षा के प्रचार प्रसार आदि में सहायता करते हैं। चौथा सबसे बड़ा महत्वपूर्ण कारण है कि हिंदी भाषा इलाके के मजदूर मुंबई कलकत्ता जैसे बड़े-बड़े नगरों में भारी संख्या में मिलते हैं।

डॉ. सुनीत कुमार चाटुर्ज्या ने 1948 के अंतरराष्ट्रीय भाषाविद् सम्मेलन (पेरिस) में यह प्रस्ताव रखा था कि संसार में किसी भाषा के समझाने बोलने वालों के विचारों से हिंदी का नंबर तीसरा है। इसलिए अंग्रेजी, फ्रांसीसी, स्पेनी, रूसी और चीनी के साथ हिंदी को भी राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा मंजूर करना चाहिए। यह प्रस्ताव बहुत महत्वपूर्ण था। भारत जैसे देश की एक भाषा राष्ट्र संघ में अवश्य होनी चाहिए।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर जैसे मनीषियों ने भगीरथ प्रयत्न किया। गांधीजी ने इस बात का जोरदार आंदोलन किया कि शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। उन्होंने जापानी की मिसाल देकर बताया कि वहां के लोगों ने यूरोप की विद्या ग्रहण की है, अपनी भाषा के माध्यम से। उनका शिक्षण जापान में होता है न कि अंग्रेजी में। राष्ट्रीय आंदोलन की यह मांग रही है कि शिक्षा संस्थानों से लेकर न्यायालयों तक में जो सारा काम अंग्रेजी के माध्यम से होता है वह बंद होना चाहिए। और अंग्रेजी ने भारतीय भाषाओं के जो हक छीने हैं वह उन्हें वापस मिलने चाहिए। तब हम कैसे मानें की अंग्रेजी यहां लादी न गई थी। और उसे गौरव स्थान देने के लिए यही के देशभक्तों ने प्रयास किया था ? अंग्रेजी से कुछ सीखना एक बात है। अंग्रेजी को अपने सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यों का माध्यम बना लेना दूसरी बात है। भारत के नवीन सांस्कृतिक जागरण में अंग्रेजी के महत्व को बढ़ा-चढ़ा कर आंका जाता है। अंग्रेजी के माध्यम से प्राप्त विचारधारा इस जागरण की प्रमुख धारा नहीं रही। प्रमुख धारा के तत्व भारतीय ही रहे हैं। डॉ. रामविलास शर्मा पृष्ठ 380,393 भाषा और समाज) हिंदी के प्रतिष्ठित साहित्यकार सुमित्रानंदन पन्त ने कहा था।

हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह हमारी भावनाओं, विचारों की सहज अभिव्यक्ति का माध्यम है। निराला ने हिंदी को सशक्त और समृद्ध बताया है। उनका कहना है हिंदी केवल भाषा नही है, यह एक क्रांति है। जनता की भाषा है। जनता जब जागेगी तो हिन्दी के माध्यम से ही अपनी शक्ति प्रकट करेगी। हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा, मातृ भाषा है। हिन्दी हमारी संस्कृति है हिन्दी के अधिकतम प्रयोग और भारत की राष्ट्रभाषा हिन्दी के लिए लगातार वैचारिक अभियान होना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एशियन चैंपियंस लीग:अल नास्र ने एस्तेग़लाल को 3-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। रियाद के अल अव्वल स्टेडियम में खेले गए एशियन चैंपियंस लीग के एलीट राउंड ऑफ 16 के दूसरे चरण में अल नास्र ने एस्तेग़लाल को 3-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। इस मुकाबले में टीम के नए खिलाड़ी झॉन डुरान ने दो गोल किए, जबकि क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी के जरिए स्कोर किया। पहले चरण के गोलरहित ड्रॉ के बाद, सऊदी प्रो लीग क्लब ने कुल 3-0 के एग्रीगेट स्कोर से क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। अल नास्र ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया और झॉन डुरान, रोनाल्डो और सादियो माने की तिकड़ी ने शुरुआती गोल के लिए दबाव बनाया। पहला गोल एस्तेग़लाल के गोलकीपर होसैन होसैनी की गलती से आया, जब उनका गलत पास सीधे डुरान के पास पहुंच गया। डुरान ने डिफेंडर को पछाड़ते हुए शानदार चिप शॉट से गेंद को नेट में डाल दिया। 30वें मिनट से पहले ही अल नास्र ने अपनी बढ़त को दोगुना कर लिया। रोनाल्डो ने एस्तेग़लाल के बॉक्स में एक भटके हुए पास का पीछा किया और बैकहील पास से गेंद माने के लिए सेट की, जिन्हें डिफेंडर ने गिरा दिया। कप्तान रोनाल्डो ने पेनल्टी को पैनेंका स्टाइल में नेट के बीचोंबीच डालते हुए स्कोर 2-0 कर दिया।

राष्ट्रमंडल खेल महासंघ ने बदला नाम, अब 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट' के रूप में पहचाना जाएगा

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन- सीजीएफ) ने अपने नाम में बदलाव करते हुए इसे 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट' करने की घोषणा की। यह बदलाव संगठन को एक खेल महासंघ से एक खेल आंदोलन में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह घोषणा राष्ट्रमंडल दिवस (10 मार्च) के अवसर पर की गई। महासंघ की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, राष्ट्रमंडल दिवस 2025 से, राष्ट्रमंडल खेल महासंघ को कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के रूप में जाना जाएगा। यह नया नाम संगठन के खेल महासंघ से एक खेल आंदोलन बनने के सफर को दर्शाता है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) केटी सैडलियर ने कहा, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट नाम हमारे उद्देश्य को और मजबूत और एकीकृत तरीके से प्रस्तुत करता है, जिससे हमारी पहचान अधिक प्रभावशाली और व्यापक होगी। हालांकि, कानूनी तौर पर संगठन का नाम 'कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन' बना रहेगा। इस बीच, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के संरक्षक किंग चार्ल्स ने बकिंघम पैलेस में ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट किंग्स बैटन रिले' का आधिकारिक शुभारंभ किया।

स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड विंटर गेम्स 2025: भव्य उद्घाटन समारोह में भारत की शानदार उपस्थिति

ट्यूरिन (इटली)। स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड विंटर गेम्स 2025 का शुभारंभ 08 मार्च की रात इटली के ट्यूरिन में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। द स्ट्रेंथ ऑफ काइंडनेस (दया की शक्ति) थीम पर आधारित इस समारोह में सांस्कृतिक और संगीतमय प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद परंपरागत रूप से एथलीटों और कोचों की मार्चपास्ट हुई, जिसमें विभिन्न देशों के खिलाड़ी पूरे जोश के साथ शामिल हुए। भारत के 49 सदस्यीय दल, जिसमें 30 एथलीट और 19 सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं, ने भी इस रंगारंग समारोह में भाग लिया। भारतीय दल का नेतृत्व स्पेशल ओलंपिक्स भारत की एथलीट शिवांजली ने किया, जो फ्लेम ऑफ होप के साथ अग्रसर हुईं। भारतीय खिलाड़ी तिरंगा हाथ में लिए हुए पूरे उत्साह के साथ मार्च करते नजर आए। उनके चेहरे पर गर्व और आत्मविश्वास की झलक साफ देखी जा सकती थी। उद्घाटन समारोह में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कलाकारों ने अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का मन मोह लिया। ग्रैमी-नामांकित गायक ऐलो ब्लैक ने अपने प्रसिद्ध गीतों से समारोह में जोश भर दिया, जबकि इतालवी गायक और रैपर मिस्टर रेन ने अपनी लोकप्रिय प्रस्तुति सुपरएरोई (सुपरहीरो) गाकर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025: सिद्धार्थ गाडेकर और तेनजिन डोलमा बने दूसरे दिन के सितारे, सेना का दबदबा बरकरार

गुलमर्ग (जम्मू-कश्मीर)। खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 के दूसरे चरण के दूसरे दिन महाराष्ट्र के सिद्धार्थ गाडेकर और हिमाचल प्रदेश की तेनजिन डोलमा ने अपने शानदार प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं। कांगड़ूरी की बर्फीली ढलानों पर जबरदस्त बर्फबारी के बीच प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें खिलाड़ियों की सहनशक्ति और मानसिक मजबूती की असली परीक्षा देखने को मिली। पिछले संस्करण की चैंपियन भारतीय सेना ने अपनी दमदार मौजूदगी कायम रखते हुए चार और पदक अपने नाम किए, जिनमें 2 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य शामिल हैं। सेना अब तक 4 स्वर्ण, 4 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 13 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। लद्दाख की टीम दूसरे स्थान पर है, हालांकि वे दूसरे चरण में कोई पदक नहीं जीत सके। तीसरे स्थान पर महाराष्ट्र है, जिसने 3 स्वर्ण, 5 रजत और 4 कांस्य पदक जीते हैं।

मुम्बई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स को नौ रनों से हराया

एजेंसी

मुम्बई। कप्तान हरमनप्रीत कौर (54) और नेट सायवर ब्रंट (38) की पारियों के बाद एमेलिया केर (तीन विकेट), हैली मैथ्यूज और शबनिम इस्माइल (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर मुंम्बई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल के 19वें मुकाबले में गुजरात जायंट्स को नौ रनों से हरा दिया। मुंबई की गुजरात पर यह लगातार छठी जीत हैं।

180 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात जायंट्स ने शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 54 के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये। बेथ मूनी (सात), काश्वी गौतम (10), एश्ली गार्डनर (शून्य) और हरलीन देओल (24) रन बनाकर आउट हुई। 11वें ओवर में इस्माइल ने फीबी लिचफील्ड (22) को बोल्ड आउट किया। 14वें ओवर में एमेलिया केर ने डिएंड्रा डॉटिन (10) को बोल्ड आउट किया।

17वें ओवर में एमेलिया केर ने भारती फूलमाली को आउटकर गुजरात को बड़ा झटका दिया। भारती फूलमाली ने 25 गेंदों में आठ चौके और चार छक्के लगाते हुए (61) रनों की आतिशी पारी खेली। 20 ओवर में हेली मैथ्यूज ने तनुजा कंवर (10) को रनआउट करने के बाद सिमरन शेख (18) को बोल्ड कर गुजरात के मैच को जीतने की उम्मीद को बड़ा झटका दिया। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी आक्रमण के आगे गुजरात जायंट्स ने की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 170 रन ही बना सकी और नौ रनों से मुकाबला हार गई। मुम्बई इंडियंस की ओर से एमेलिया केर को तीन विकेट मिले। शबनिम इस्माइल और हैली मैथ्यूज ने दो-दो विकेट लिये। संस्कृति गुप्ता ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां गुजरात जायंट्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने एमेलिया केर (पांच) का विकेट गवां दिया। इसके बाद सातवें ओवर में प्रिया मिश्रा ने हेली मैथ्यूज (27) को आउट कर मुम्बई को दूसरा झटका दिया। इसके बाद हरमनप्रीत कौर ने नेट सायवर ब्रंट के साथ पारी को संभाला।

विश्वकप 2027 में खेलने को लेकर अभी मुश्किल है: रोहित शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने विश्वकप 2027 में अपनी भागीदारी को लेकर कहा कि अभी इस पर कुछ भी कहना मुश्किल है। मैं अभी अच्छा खेल रहा हूं और टीम के साथ खेल का आनंद उठा रहा हूं।रोहित ने 2027 संस्करण में अपनी भागीदारी पर कहा, अभी यह कहना बहुत मुश्किल है। लेकिन मैं अपने सभी विकल्प खुले रख रहा हूँ। मैं देखना चाहता हूँ कि मैं कितना अच्छा खेल रहा हूँ। अभी, मैं वास्तव में अच्छा खेल रहा हूँ और इस टीम के साथ हर चीज का आनंद ले रहा हूँ।

आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत को जीत दिलाने के बाद रोहित ने अपने संन्यास की अटकलों को खारिज करते हुए कहा था कि अगला विश्व कप अभी भी भविष्यवाणी करने के लिए बहुत दूर है।उन्होंने कहा, भारत के लिए खेलना बहुत गर्व की बात है और जिस तरह से यह टीम खेल री है,

मैं इसे छोड़ना नहीं चाहता। उन्होंने कहा, इस टीम के साथ खेलना बहुत खुशी और आनंद मिलता है। जब तक मैं उस जुनून को महसूस करता हूँ, मैं यहाँ रहूँगा।

महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में हरियाणा और झारखंड़ की होगी भिड़ंत

एजेंसी

पंचकूला। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के खेले गये सेमीफाइनल मुकाबलों में हरियाणा और झारखंड ने अपनी-अपनी प्रतिद्वंद्वी टीमों को हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है।

डिवीजन 'ए' के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में हरियाणा ने मिजोरम को 4-0 से हराया। हरियाणा की ओर से सोनम ने (41वें), मोनिका ने (42वें), मनीषा ने (47वें) और कप्तान रानी ने (57') मिनट में मिजोरम खिलाफ एक-एक गोलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचा दिया।

डिवीजन 'ए' के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबला निधारित समय में महाराष्ट्र और झारखंड दोनों ने अंतिम सीटी बजने पर गोल रहित समाप्त हुआ। इसके बाद मैच शूट-आउट पर चला गया और झारखंड ने करीबी शूट आउट मुकाबले में महाराष्ट्र को 3-2 से हराया। काजल

सदाशिव अटपडकर और प्रीति ने हॉकी महाराष्ट्र के लिए गोल किए, जबकि रजनी केरकेट्टा, कप्तान अलबेला रानी टोप्पो और शम्मी बारा ने हॉकी झारखंड के लिए गोल करके हॉकी हरियाणा के खिलाफ फाइनल में जगह पक्की की। फाइनल मुकाबला बुधवार को हरियाणा और झारखंड के बीच खेला जायेगा। वहीं तीसरा और चौथा स्थान के लिए मिजोरम बनाम महाराष्ट्र के बीच होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी में छक्कों के मामलों में भारत, चौके में न्यूजीलैंड रहा आगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। चैंपियंस ट्राफी के फाइनल के सफर तक भारत और न्यूजीलैंड में चौकों और छक्कों की होड़ में भारत ने जहां छक्के लगाने में बाजी मारी वहीं न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले में सबसे ज्यादा चौके लगाकर गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया।

भारत ने संपन्न हुये चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट में जहां 29 छक्के तथा 80 चौके लगाये। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से 23 छक्के तथा 114 चौके जड़े गये। ग्रुप मुकाबलों में की बात की जाये तो भारतीय बल्लेबाज छक्के लगाने में अधिक आक्रामक दिखे। भारत की ओर से ग्रुप मुकाबलों में 16 छक्के तथा 29 चौके जड़े गये। इस मामले में न्यूजीलैंड ने केवल नौ छक्के तथा 50 चौके जड़े।

सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की ओर से सात छक्के तथा 16 चौके जड़े गये। वहीं न्यूजीलैंड ने पांच छक्के तथा 35 चौके लगाते

हुए टूर्नामेंट का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

फाइनल मुकाबले में भारत ने नौ छक्के तथा 13 चौके लगाये। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से चार छक्के तथा 15 चौके जड़े गये।

गौरतलब है कि भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर 12 साल के सूखे को खत्म करते हुए टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लौहा मनवाया। न्यूजीलैंड वर्ष 2000 में भारत को हराकर इस खिताब को जीता था।

भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में आईसीसी टी-20 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर लगातार दो खिताब जीतने का कारनामा किया है।

20वीं नेशनल यूथ एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का हुआ भव्य शुभारम्भ

एजेंसी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में 20वीं नेशनल यूथ एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 का भव्य शुभारम्भ हुआ। बिहार में पहली बार 10 से 12 मार्च तक पाटलिपुत्र खेल परिसर ,कंकड़बाग में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। देश के 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 500 से ज्यादा खिलाड़ी और प्रशिक्षक इसमें शामिल हुए हैं।

प्रतियोगिता के पहले दिन हुए खेल के विजेता खिलाड़ियों को बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के पूर्व निदेशक संजय कुमार सिन्हा ने मेडल देकर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर बिहार एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव लियाकत अली, कोषाध्यक्ष राजू सिंह, झारखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के महासचिव शिव कुमार पांडे ,एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के रमेश सिंह (मुख्य प्रशिक्षक जूनियर एथलेटिक्स) तथा इस प्रतियोगिता के मैनेजर मोहम्मद शम्सी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।रोमांच और जोश से भरी आज पहले दिन की की प्रतिस्पर्धाओं में बालिका अंडर 18

आयु वर्ष के तीन हजार मीटर रेस वाक स्पर्धा में हरियाणा की योगिता को स्वर्ण पदक ,उत्तराखंड की सिमरन गुसैन को रजत तथा मध्यप्रदेश की रंजन यादव को कांस्य पदक मिला। बालिका अंडर 18 आयु वर्ष के 400 मीटर दौड़ स्पर्धा में क्रमशः एडविना जेशन-तमिलनाडु- स्वर्ण पदक, तन्नू - हरियाणा - रजत पदक तथा दीपिका-हरियाणा - कांस्य पदक विजेता रही। बालक अंडर 18 आयु वर्ष में पांच हजार मीटर रेस वाक स्पर्धा में नितिन गुप्ता- उत्तर प्रदेश - स्वर्ण पदक, तुसार पंवार- उत्तराखंड - रजत पदक तथा ऋतुल परिहार - उत्तराखंड - कांस्य पदक विजेता रहे। बालक अंडर 18 आयु वर्ष के 400 मीटर दौड़ में क्रमशः साकेत मिंज - झारखंड -स्वर्ण पदक ,सईद साबिर - कर्नाटका - रजत पदक, कादिर खान - उत्तर प्रदेश ने कांस्य प्राप्त किया।

बालिका अंडर 18 आयु वर्ष की गोला फेंक स्पर्धा में जॉय बैदवान- पंजाब 14.04 मीटर के साथ स्वर्ण पदक, जैस्मिन कौर- पंजाब ने रजत पदक तथा राजस्थान की द्रोणा चौधरी ने कांस्य पदक जीता। बालक वर्ग के अंडर 18 आयु वर्ष में हेप्टाथलॉन गोला फेंक स्पर्धा में केरल के अभिनव श्रीराम 12.96 मीटर में 665 अंक प्राप्त कर पहले स्थान पर रहे। गुजरात के जाखड़ राहुल 12.87 मीटर के साथ 659 अंक प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहें। तेलंगाना के कार्तिक कड़ा 12.75 मीटर के साथ 652 अंक के साथ तीसरे नम्बर पर रहे। बालक अंडर 18 आयु वर्ष में डिस्कस थ्रो इवेंट में क्रमशः नश्य - हरियाणा 62.14 मीटर के साथ स्वर्ण पदक, विशाल कुमार - राजस्थान 56.71 मीटर के साथ रजत पदक, अखिल कुमार - हरियाणा 54.63 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता।

बीसीसीआई ने डब्ल्यूपीएल समिति में देसाई और खन्ना को किया शामिल

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आठ सदस्यीय महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) समिति में बदलाव करते हुए रोहन गौंस देसाई और दिलशेर खन्ना को इसमें शामिल किया है। बीसीसीआई ने देसाई को नवनिर्वाचित मानद संयुक्त सचिव के रूप में डब्ल्यूपीएल समिति में शामिल किया हैं। इस बीच, खन्ना को प्रभतेज भाटिया के स्थान पर पैनल में नामित किया गया है। यह बदलाव प्रभतेज भाटिया के बीसीसीआई के मानद कोषाध्यक्ष चुने जाने के बाद हुआ है। वह पहले डब्ल्यूपीएल समिति के सदस्य थे। अन्य प्रमुख सदस्यों में आईपीएल अध्यक्ष अरुण सिंह धूमल, बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, मानद कोषाध्यक्ष प्रभतेज भाटिया और मानद संयुक्त सचिव देसाई शामिल हैं। पैनल में मधुमती लेले और नए सदस्य खन्ना भी शामिल हैं।

बीसीसीआई ने बताया कि डब्ल्यूपीएल के प्रशासनिक ढांचे को

मजबूत करने, इसके सुचारू संचालन और विकास को सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत ये नियुक्तियां की गई हैं। पुनर्गठित डब्ल्यूपीएल समिति की अगुवाई बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी करेंगे, जबकि देवजीत सैकिया संयोजक के रूप में काम करेंगे।

बीसीसीआई ने की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम के अजेय प्रदर्शन की सराहना

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार जीत दर्ज करने पर भारतीय टीम को बधाई दी।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुकरणीय नेतृत्व और सामरिक कौशल ने टीम को इस ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कप्तान रोहित के प्रेरणा देने और मिसाल कायम करने वाले नेतृत्व क्षमता ने भारत के विजयी अभियान में निर्णायक भूमिका निभाई है।

उन्होंने टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर की भूमिका की भी सराहना की करते हुए कहा कि उनका निडर दृष्टिकोण और सामरिक अंतर्दृष्टि ने इस विजेता टीम को लक्ष्य हासिल करने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ, सहयोगी कर्मियों और चयन समिति को इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बधाई दी। बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, पिछले साल टी-20 विश्वकप की सफलता के बाद यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। एक और वैश्विक टूर्नामेंट में दबदबा बनाना और चैंपियंस ट्रॉफी जीतना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। टीम ने बेजोड़ निरंतरता और अपने चरित्र के साथ खेला है मैं कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच गौतम गंभीर और पूरी टीम को उनकी ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई देता हूं।रोहत की टी-20 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी दोनों खिताब जीतने से उन्हें भारत के सबसे बेहतरीन और सबसे सफल कप्तानों में से एक के शुमार किया है और उनके नेतृत्व में टीम को मजबूती मिली है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, आईसीसी खिताब जीतना हमेशा एक विशेष उपलब्धि होती है और इस टीम ने इसे प्रभावशाली अंदाज में हासिल किया है। अनुभव और युवा ऊर्जा का सहज मिश्रण उल्लेखनीय रहा है और यह जीत भारतीय क्रिकेट की भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक रहेगी।

युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप: टाई से हुई शुरुआत, हाई स्कोरिंग मुकाबलों में दिखा जबरदस्त रोमांच

हरिद्वार। हरिद्वार के वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम में चल रही युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप का दिन जबरदस्त रोमांच से भरा रहा। जहां दिन के पहले मुकाबले में यूपी फाल्कन्स और वास्को वाइपर्स के बीच मुकाबला 36-36 की बराबरी पर समाप्त हुआ, वहीं जूनियर स्टीलर्स, युवा योद्धाज और युवा मुंबा ने बड़ी जीत दर्ज कर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। दिन की शुरुआत यूपी फाल्कन्स और वास्को वाइपर्स के बीच कांटे की टक्कर से हुई, जिसमें कोई भी टीम जीत दर्ज नहीं कर पाई। यूपी फाल्कन्स के कुनाल भाटी ने 12 रेड प्वाइंट अर्जित किए, जबकि वास्को वाइपर्स के सब्सटीट्यूट खिलाड़ी प्रिंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 रेड प्वाइंट हासिल किए।

खेल मंत्रालय ने हटाया डब्ल्यूएफआई का निलंबन, अब राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित कर सकेगा भारतीय कुश्ती महासंघ

एजेंसी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का निलंबन हटा दिया है। इस फैसले के बाद अब महासंघ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन कर सकेगा और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए राष्ट्रीय टीमों का चयन कर पाएगा।

मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, स्पॉट वेरिफिकेशन कमेटी की रिपोर्ट, डब्ल्यूएफआई द्वारा उठाए गए सुधारात्मक कदम और भारतीय खेलों तथा एथलीटों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर लगाए गए निलंबन को तत्काल प्रभाव से समाप्त करता है और इसे राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के रूप में पुनः मान्यता प्रदान करता है।

गौरतलब है कि खेल मंत्रालय ने 24 दिसंबर 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था। यह फैसला महासंघ द्वारा जल्दबाजी में अंडर-15 और

अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप की घोषणा करने के कारण लिया गया था।

गोंडा में टूर्नामेंट की घोषणा से नाराज था मंत्रालय

21 दिसंबर 2023 को संजय सिंह के नेतृत्व वाले पैनल ने डब्ल्यूएफआई के चुनाव में जीत जिससे सरकार नाराज हो गई थी और निलंबन का निर्णय लिया गया था। अब निलंबन हटने के बाद डब्ल्यूएफआई फिर से अपनी गतिविधियां शुरू कर सकेगा और भारतीय कुश्ती को एक बार फिर रफ्तार मिलने की उम्मीद है।

आईपीएल 2025- लखनऊ सुपर जायंट्स को झटका, पहले हाफ में नहीं खेल पाएंगे मयंक यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मयंक यादव आईपीएल 2025 के पहले चरण से बाहर हो गए हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो के अनुसार, मयंक फिलहाल लम्बर स्ट्रेस इंजरी (पीठ की चोट) से उबर रहे हैं और उन्होंने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में गेंदबाजी अभ्यास फिर से शुरू किया है। वह पिछले साल अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद चोटिल हो गए थे और तब से रिहैब प्रक्रिया में हैं।

बीसीसीआई ने अभी तक उनकी वापसी की कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है। हालांकि, अगर वह सभी फिटनेस मानकों को पूरा करते हैं और अपनी गेंदबाजी का वर्कलोड बढ़ा पाते हैं, तो वह आईपीएल के दूसरे चरण में खेल सकते हैं।

मयंक की गैरमौजूदगी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए बड़ा झटका है, जिन्होंने उन्हें आईपीएल 2025 की नीलामी से पहले 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। यह मयंक के लिए वित्तीय रूप से बड़ी छलांग थी, क्योंकि आईपीएल 2024 में उन्हें महज 20 लाख रुपये में बतौर अनकैप्ड तेज गेंदबाज खरीदा गया था। मयंक की इतनी ऊंची कीमत का मुख्य कारण उनकी तेज गति से गेंदबाजी करने की क्षमता है। वह लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं, जिसकी बदौलत उन्होंने अपने पहले दो आईपीएल मैचों में लगातार प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता था।

उनके इसी प्रदर्शन को देखते हुए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने उन्हें भारत के तेज गेंदबाजों के विशेष पूल में शामिल किया था। मयंक का आईपीएल 2024 भी चोटों से प्रभावित रहा था, जहां वह केवल चार मैच ही खेल पाए थे। अंतिम दो मुकाबलों में साइड स्ट्रेन की समस्या के चलते उन्हें बाहर होना पड़ा था। रिहैब के दौरान उन्हें एक और नई चोट लग गई, जिससे उनकी वापसी में देरी हुई। हालांकि, उन्होंने आखिरकार बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में खेला, लेकिन वहां भी फिर से चोटिल हो गए और दोबारा रिहैब के लिए लौटना पड़ा। बीसीसीआई ने मयंक की मौजूदा चोट के बारे में आधिकारिक रूप से कुछ नहीं बताया है, लेकिन यह समझा जाता है कि उनके पीठ के निचले हिस्से (बाईं ओर) में स्ट्रेस इंजरी है। फरवरी में भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ज़हीर ख़ान, जो अब लखनऊ के टीम डायरेक्टर हैं, ने कहा था कि फ्रेंचाइज़ी बीसीसीआई की मेडिकल टीम के साथ मिलकर मयंक की वापसी का रोडमैप तैयार कर रही है। हालांकि, ज़हीर ने यह भी स्पष्ट किया था कि वे मयंक को 100फीसदी नहीं बल्कि 150फीसदी फिट देखकर ही मैदान पर वापसी कराना चाहेंगे। उन्होंने कहा था, हम मयंक को जितना जल्दी हो सके खेलते हुए देखना चाहते हैं, लेकिन हम उन्हें तब ही खिलाएंगे जब वह पूरी तरह से फिट होंगे। लखनऊ सुपर जायंट्स अपना पहला मुकाबला 24 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ विशाखापत्तनम में खेलेगी। इस सीजन में दिल्ली की कप्तानी ऋषभ पंत करेंगे, जो खुद लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े में 100वां विमान शामिल

बेंगलुरु। विमानन क्षेत्र की कपनी एयर इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एयर इंडिया एक्सप्रेस ने महत्वाकांक्षी विस्तार के तहत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल करते हुए अपने बेड़े में 100वां विमान बोइंग 737-8, शामिल किया है, जिसमें कर्नाटक की पारंपरिक भित्ति चित्रकला से प्रेरित 'चित्तारा' टेल आर्ट है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इस विमान को हरी झंडी दिखाई, जो एयरलाइन का सबसे बड़ा केंद्र है और जहां से यह 445 से अधिक साप्ताहिक उड़ानें संचालित करता है। इस विमान ने समारोह के बाद बेंगलुरु-हिंडन मार्ग पर परिचालन शुरू किया। इस महीने की शुरुआत में हिंडन (गाजियाबाद, दिल्ली एनसीआर) को एयरलाइन के नेटवर्क में शामिल करना इसकी तेज़ी से हो रही वृद्धि को दर्शाता है। इससे एयर इंडिया एक्सप्रेस राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दो हवाईअड्डों की सेवा देने वाली पहली और एकमात्र विमानन कंपनी बन गई है। इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि एयर इंडिया एक्सप्रेस का अपने बेड़े में 100वें विमान को शामिल करना इसकी वृद्धि और बदलाव यात्रा में एक निर्णायक क्षण है।

शक्कर में मजबूती, खाद्य तेलों में नरमी, दलहन, दाल में भाव घटे, चावल में सुधार

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मांग से तेजी हुई। खाद्य तेल मंदे रहे। सोयाबीन रिफाइंड सस्ता बिका। तिलहन में सरसों में प्लांटों की लिवाली बताई गई। दलहनों में मांग सुस्त रही इससे मंदी दर्ज की गई। आज मसूर दाल नरम बिकी। चावल में लिवाली बनी रही।

किराना बाजार

सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मांग से तेजी रही। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा बूरा दिसावर के साथ सस्ता बिका। खोपरा गोला में लग्नसरा ग्राहकी रही। हल्दी सस्ती बिकी।

तेल-तिलहन

खाद्य तेलों में खरीदी से नरमी दर्ज की गई। आज सोयाबीन रिफाइंड सस्ता बिका। तिलहन में उठाव से सोयाबीन मजबूत बना रहा।

दाल-दलहन

संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में कामकाज नरमी लिए रहा। दालों में मंदी बताई गई। आज मसूर दाल सस्ती बिकी। चावल में पूछपरख रही।

केंद्र सरकार ने इंफोसिस के खिलाफ शुरू की कार्रवाई : एनआईटीईएस

बेंगलुरु। नैसेंट इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) की औपचारिक शिकायत के बाद केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने सूचना-प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इंफोसिस के खिलाफ प्रशिक्षुओं की कथित अवैध बर्खास्तगी को लेकर जांच शुरू कर दी है एनआईटीईएस ने इंफोसिस पर प्रशिक्षु अधिनियम, 1961 और प्रशिक्षुता नियम, 1992 के उल्लंघन का आरोप लगाया है, जिसमें कंपनी पर 700 से अधिक नए स्नातकों को दबाव में अलगाव समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर करने का आरोप है। एनआईटीईएस के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सलूजा ने कहा कि इस मामले में कार्रवाई करते हुए कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी के कार्यालय ने संबंधित अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए हैं और मंत्रालय ने एनआईटीईएस से एक आधिकारिक कार्रवाई रिपोर्ट साझा करने को भी कहा है। इस मामले ने कर्नाटक श्रम विभाग की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि एनआईटीईएस का आरोप है कि अक्टूबर 2024 की घटनाओं के दौरान भी विभाग ने इंफोसिस का बचाव किया था। नए स्नातकों ने दो साल तक ऑनबोर्डिंग के लिए संघर्ष किया और अब उन्हें बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के निकाल दिया गया। साथ ही, कर्नाटक श्रम विभाग ने बार-बार रिमाइंडर देने के बावजूद जांच रिपोर्ट साझा नहीं की। श्री सलूजा ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केंद्र सरकार की यह कार्रवाई इंफोसिस को जवाबदेह ठहराने और युवा पेशेवरों के अधिकारों की रक्षा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

हाइवे हीरो ट्रस्ट ने किया अद्वितीय महिलाओं को किया सम्मानित

नयी दिल्ली। हाइवे हीरो ट्रस्ट ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर रविवार को यहां महिला दिवस समारोह का आयोजन किया जिसमें समाज की अनसुनी नायिकाओं जैसे महिला ड्राइवरों, उद्यमियों और शिक्षकों को सम्मानित किया गया और इस मौके पर फैशन शो 'वॉक टू एम्पावर' का आयोजन किया गया, जिसमें महिला ड्राइवरों ने स्वयं हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में प्रेरणादायक महिलाएं, विशिष्ट अतिथिगण और युवा समर्थकों ने महिला सशक्तिकरण के इस समारोह में भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महिला पुरस्कार समारोह था, जिसमें 17 महिलाओं को उनके साहस और समाज में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह में सांसद बंसुरी स्वराज भी मौजूद थी। कार्यक्रम में सूफी गायक विक्की आहुजा और बॉलीवुड सिंगर विशाल श्रीवास्तव ने सांस्कृतिक रंग भरे। अपनी सूफी संगीत के प्रति गहरी लगन के साथ विक्की आहुजा ने अपनी आत्मीय प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एक्स फैक्टर इंडिया और राइजिंग स्टार के फेम विशाल श्रीवास्तव ने अपनी मधुर आवाज और संगीत कौशल से लोगों का दिल जीता।

मजबूत शुरुआत के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला था, जबकि निफ्टी ने कमजोरी के साथ कारोबार की शुरुआत की थी। बाजार खुलने के बाद पहले 1 घंटे के कारोबार में खरीदारी होती रही, लेकिन उसके बाद लगभग पूरे दिन बिकवाली का दबाव बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी सेक्टर को छोड़कर शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स दबाव के साथ कारोबार करते रहे। ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कैपिटल गुड्स, पीएसयू बैंक, ऑयल एंड गैस और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज दिनभर बिकवाली होती रही। इसके अलावा आईटी,

हेल्थ केयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 5 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 393.37 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.11 प्रतिशत फिसल कर आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 398.29 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.92 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,229 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,202 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,879 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 148 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,671 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 500 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,171 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

सेबी और एनआईएसएम की नई पहल : एएमएल-सीएफटी प्रमाणन परीक्षा शुरू

एजेंसी

मुंबई। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (एनआईएसएम) के सहयोग से धन शोधन (एएमएल) और आतंकवाद के वित्तपोषण (सीएफटी) से जुड़े नियमों पर एक नई प्रमाणन परीक्षा शुरू की है। सेबी ने जारी बयान में बताया कि इस प्रमाणन परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभूति बाजार के पेशेवरों को इन महत्वपूर्ण प्रावधानों की गहरी समझ देना और बाजार को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाना है।यह परीक्षा एक घंटे की होगी, जिसमें 50 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। हर प्रश्न 1 अंक का होगा। सफल प्रतिभागियों को सेबी और एनआईएसएम द्वारा आधिकारिक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जो उनके पेशेवर कौशल और नियामक समझ को प्रमाणित करेगा। सेबी ने कहा कि परीक्षा में प्रतिभागियों को धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से जुड़े नियमों, पीएमएलए और सेबी अधिनियम की जानकारी तथा प्रतिभूति बाजार में वित्तीय अपराध रोकने के उपायों के बारे में सीखने का अवसर मिलेगा। इच्छुक उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए एनआईएसएम की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सोने के भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,830 रुपये से लेकर 87,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,510 रुपये से लेकर 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में आज गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 98,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह

अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 87,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आरबीआई करेगा 10 अरब डॉलर की स्वैप नीलामी, बाजार में बढ़ेगी तरलता

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बाजार में नकदी का प्रवाह बढ़ाने के उद्देश्य से 24 मार्च को 10 अरब डॉलर की डॉलर-रुपया खरीद-बिक्री स्वैप नीलामी की घोषणा की है। आरबीआई ने बताया कि यह स्वैप 36 महीनों की अवधि के लिए होगा, जिससे बाजार में स्थिरता और विदेशी मुद्रा तरलता को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। नीलामी 24 मार्च 2025 को पूर्वाह्न 10:30 बजे शुरू होगी और 11:30 बजे तक चलेगी। इस नीलामी में केवल अधिकृत डीलर- श्रेणी-I बैंक भाग ले सकते हैं। इस प्रक्रिया में बैंक पहले रिजर्व बैंक को डॉलर बेचेंगे और तय अवधि के बाद वापस खरीदेंगे। यह नीलामी बहु-मूल्य आधारित होगी, यानी सफल बोली लगाने वालों को उनके द्वारा बताए गए लाख डॉलर के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है। बैंक को यह तय करना होगा कि वे स्वैप अवधि के लिए कितना प्रीमियम देने के लिए तैयार हैं, जिसे दो दशमलव अंकों

तक व्यक्त किया जाएगा। नीलामी के अंत में, कट-ऑफ प्रीमियम तय किया जाएगा और उसी या उससे अधिक प्रीमियम पर रखी गई बोलियां सफल मानी जाएंगी। यदि कट-ऑफ प्रीमियम पर कई बोलियां आती हैं तो उन्हें आनुपातिक रूप से आवंटित किया जाएगा। स्वैप प्रक्रिया के पहले चरण में, बैंक आरबीआई को डॉलर बेचेंगे और बदले में रिजर्व बैंक उनके चालू खाते में रुपये जमा करेगा। तय अवधि के अंत में, बैंक स्वैप प्रीमियम के साथ रुपये लौटाकर वही डॉलर वापस खरीदेंगे। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बैंकों को एक दिन पहले तक अपने निपटान विवरण जमा कराने होंगे। बोलियां केवल ई-मेल के माध्यम से आरबीआई को भेजी जा सकती हैं और नीलामी विंडो बंद होने के बाद कोई बदलाव या रद्दीकरण संभव नहीं होगा। नीलामी का परिणाम उसी दिन घोषित किया जाएगा।

सन फार्मा करेगी चेकपॉइंट थेरेप्यूटिक्स करेगी अधिग्रहण

एजेंसी

मुंबई। देश की औषधि निर्माता प्रमुख कंपनी सन फार्मा ने इम्यूनोथेरेपी और लक्षित ऑन्कोलॉजी क्षेत्र की अमेरिकी कंपनी चेकपॉइंट थेरेप्यूटिक्स के सभी बकाया शेयरों के अधिग्रहण के लिए एक समझौता किया है। चेकपॉइंट, नैस्डैक में सूचीबद्ध एक वाणिज्यिक-चरण की बायोटेक कंपनी है, जो ट्यूमर कैंसर के लिए नए उपचार विकसित करने पर केंद्रित है।

सन फार्मा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक दिलीप सांघवी ने कहा, अमेरिकी औषधि नियामक फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) द्वारा अनुमोदित एंटी-पीडी-एल1 उपचार यूएनएलओएक ससीवाईटी (कोसिबेलिमैब-आईपीडीएल) को हमारी वैश्विक उपस्थिति के साथ जोड़ने से क्यूटेनियस स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के रोगियों को एक महत्वपूर्ण और नया उपचार विकल्प मिल सकेगा। यह अधिग्रहण ऑन्कोलॉजी और डर्मेटोलॉजी क्षेत्र में हमारे इनोवेटिव पोर्टफोलियो को और

मजबूत करेगा। कंपनी के अनुसार, एफडीए ने मेटास्टेटिक क्यूटेनियस स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और स्थानीय रूप से उन्नत सीएससीसी वाले वयस्कों के इलाज के लिए यूएनएलओएक्ससीवाईटी को मंजूरी दी है। यह उन मरीजों के लिए कारगर साबित हो सकता है, जो सर्जरी या रेडिएशन से उपचार के लिए उपयुक्त नहीं हैं।अनुबंध के तहत, सन फार्मा चेकपॉइंट के सभी बकाया शेयरों का अधिग्रहण करेगी। इसके तहत चेकपॉइंट के शेयरधारकों को प्रत्येक शेयर के लिए 4.10 डॉलर का अग्रिम नकद भुगतान मिलेगा। इसके अलावा, यदि कोसिबेलिमैब को यूरोपीय संघ या अन्य प्रमुख यूरोपीय देशों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर मंजूरी मिल जाती है तो एक गैर-हस्तांतरणीय आकस्मिक मूल्य अधिकार (सीवीआर) के तहत अतिरिक्त 0.70 डॉलर तक नकद प्राप्त करने का अवसर होगा। इस अधिग्रहण प्रक्रिया के वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है। स्किन कैंसर फाउंडेशन के मुताबिक, क्यूटेनियस स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा अमेरिका में त्वचा कैंसर का दूसरा सबसे आम प्रकार है, जिसकी अनुमानित वार्षिक घटनाएं करीब 18 लाख हैं। इस अधिग्रहण से सन फार्मा को कैंसर उपचार में अपनी स्थिति और मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

रुपया 33 पैसे लुढ़का

एजेंसी

मुंबई। नॉन-डिलीवरेबल फॉरवर्ड (एनडीएफ) बाजार में डॉलर की मजबूत मांग के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 33 पैसे लुढ़ककर 87.29 रुपये प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.96 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 31 पैसे की गिरावट लेकर 87.27 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान लिवाली होने से 87.37 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, बिकवाली होने से यह 87.16 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। अंत में पिछले दिवस के 86.96 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 33 पैसे लुढ़ककर 87.29 रुपये प्रति डॉलर रह गया।

भारत में रेइट-सम्पत्तियों के बाजार में विस्तार जारी रहने की उम्मीद: केयरएज रेटिंग्स

एजेंसी

मुंबई। केयरएज रेटिंग्स की राय में भारत में संस्थानों और बड़े संगठनों के लायक कार्यस्थलों की मजबूत मांग और उनमें निवेशकों की बढती रुचि को देखते हुए अचल संम्पत्ति बाजार में रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रेइट)-योग्य संपत्तियों के विस्तार के मजबूत अवसर मौजूद हैं। केयरएज रेटिंग्स की जारी एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025-26 और उसके भी भारत में रेइट पोर्टफोलियो का निरंतर विस्तार जारी रहने की उम्मीद है।

केयरएज रेटिंग्स की एक विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय कार्यालय स्थलों के रेइट से जुड़े बाजार खंड में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। कैलेंडर वर्ष 2024 में समाप्त छह वर्षों में रेइट वाले उपयोग लायक कार्यालय स्थलों की भौतिक उपलब्धता (स्टॉक) साल दर साल सात प्रतिशत की दर से बढ़ा है। इसके अतिरिक्त, रेइट ने भारत के शीर्ष आठ शहरों में कुल कार्यालय स्टॉक का लगातार नौ प्रतिशत से अधिक हिस्सा है, जो वाणिज्यिक अचल संपत्ति में रेइट-सम्पत्तियों की बढ़ते आकर्षण को दर्शाता है। केयरएज रेटिंग्स के कॉर्पोरेट और इंफ्रा रेटिंग्स की वरिष्ठ निदेशक और प्रमुख राजश्री कुरकुटे ने कहा,÷भारतीय रेइट बाजार निरंतर विस्तार के लिए तैयार है, जो आगामी रेइट संपत्तियों की घोषणाओं और उच्च गुणवत्ता वाली रेइट -योग्य परिसंपत्तियों की प्रचुर उपलब्धता के मिले जुले प्रभाव से प्रेरित है। यह वृद्धि ग्रेड निकट भविष्य में आने वाली ए वाणिज्यिक अचल संपत्ति की मजबूत सूची और विविध क्षेत्रों में निवेशकों की बढ़ती रुचि से प्रेरित होने की उम्मीद है।

भारत में 2019 में एम्बेसी रेइट के प्रारंभ के साथ रेइट खंड में अब कई बड़े रेइट परिचालक आ गए हैं। उसके बाद से रेइट बाजार में 2020 में माइंडस्पेस और ब्रुकफील्ड रेइट आए। वर्ष 2023 में नेक्सस रेइट ऐसा पहला खुदरा निवेश पर केंद्रित रेइट रहा जो घरेलू शेयर बाजारों में सूचीबद्ध किया गया। नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट को भी 2025-26 के पहली छमाही में बाजार में सूचीबद्ध होने की तैयारी में है।वित्तीय दृष्टिकोण से, भारतीय रेइट एक रूढ़िवादी उत्तोलन प्रोफ़ाइल बनाए रखते हैं, 31 दिसंबर, 2024 तक शुद्ध ऋण से सकल परिसंपत्ति मूल्य (जीएवी) अनुपात 28 प्रतिशत होगा। इसके अलावा, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा लागू किए गए कड़े नियमों ने आरईआईटी की संरचनात्मक अखंडता को मजबूत किया है, जिससे उन्हें प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर बाहरी ऋण प्राप्त करने में मदद मिली है।

रिपोर्ट के अनुसार 31 दिसंबर, 2024 को शुद्ध ऋण का सकल संपत्ति मूल्य (जीएवी) का अनुपात 28 प्रतिशत था जो इनकी मजबूत स्थित को दर्शाता है। इसके अलावा, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा लागू किए गए कड़े नियमों से रेइट की संरचनात्मक व्यवस्था मजबूत हुई है।

आरबीआई करेगा 10 अरब डॉलर की स्वैप नीलामी, बाजार में बढ़ेगी तरलता

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बाजार में नकदी का प्रवाह बढ़ाने के उद्देश्य से 24 मार्च को 10 अरब डॉलर की डॉलर-रुपया खरीद-बिक्री स्वैप नीलामी की घोषणा की है। आरबीआई ने बताया कि यह स्वैप 36 महीनों की अवधि के लिए होगा, जिससे बाजार में स्थिरता और विदेशी मुद्रा तरलता को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। नीलामी 24 मार्च 2025 को पूर्वाह्न 10:30 बजे शुरू होगी और 11:30 बजे तक चलेगी। इस नीलामी में केवल अधिकृत डीलर- श्रेणी-I बैंक भाग ले सकते हैं। इस प्रक्रिया में बैंक पहले रिजर्व बैंक को डॉलर बेचेंगे और तय अवधि के बाद वापस खरीदेंगे। यह नीलामी बहु-मूल्य आधारित होगी, यानी सफल बोली लगाने वालों को उनके द्वारा बताए गए प्रीमियम के अनुसार सौदे की मंजूरी मिलेगी। नीलामी में न्यूनतम बोली एक करोड़ डॉलर की होगी और उसके बाद 10 लाख डॉलर के

गुणकों में बोली लगाई जा सकती है। बैंक को यह तय करना होगा कि वे स्वैप अवधि के लिए कितना प्रीमियम देने के लिए तैयार हैं, जिसे दो दशमलव अंकों तक व्यक्त किया जाएगा। नीलामी के अंत में, कट-ऑफ प्रीमियम तय किया जाएगा और उसी या उससे अधिक प्रीमियम पर रखी गई बोलियां सफल मानी जाएंगी। यदि कट-ऑफ प्रीमियम पर कई बोलियां आती हैं तो उन्हें आनुपातिक रूप से आवंटित किया जाएगा।स्वैप प्रक्रिया के पहले चरण में, बैंक आरबीआई को डॉलर बेचेंगे और बदले में रिजर्व बैंक उनके चालू खाते में रुपये जमा करेगा। तय अवधि के अंत में, बैंक स्वैप प्रीमियम के साथ रुपये लौटाकर वही डॉलर वापस खरीदेंगे। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बैंकों को एक दिन पहले तक अपने निपटान विवरण जमा कराने होंगे। बोलियां केवल ई-मेल के माध्यम से आरबीआई को भेजी जा सकती हैं और नीलामी विंडो बंद होने के बाद कोई बदलाव या रद्दीकरण संभव नहीं होगा। नीलामी का परिणाम उसी दिन घोषित किया जाएगा। आरबीआई के पास यह अधिकार सुरक्षित रहेगा कि वह तय राशि से अधिक या कम बोलियां स्वीकार करे या बिना कोई कारण बताए किसी भी प्रस्ताव को अस्वीकार कर दे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में

पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.09 प्रतिशत गिरकर 66.98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह इस दौरान लंदन ब्रेंट क्रूड 0.06 प्रतिशत फिसलकर 70.32 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

स्वदेशी जागरण मंच की अमेरिका से व्यापार समझौते में किसानों, लघु उद्यमों की रक्षा की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ ऊंचा आयात शुल्क लगाने की कार्रवाई करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रम्प की धमकियों के बीच स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) ने सरकार से अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करते हुए किसानों और लघु उद्योगों के हितों की रक्षा करने की अपील की है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े एसजेएम की राष्ट्रीय परिषद की रायपुर में सम्पन्न दो दिवसी बैठक में परित प्रस्ताव में कहा गया है कि इस समय दुनिया में वैश्विक एकीकरण के विपरीत हवा चल रही है ऐसे में सरकार को अपने राष्ट्र के हित को सर्वोपरि रखने और देश के किसानों और लघु उद्योगों की रक्षा करने की जरूरत है। पूरा विश्व भू-आर्थिक विखंडन के दौर से गुजर रहा है और इस परिदृश्य में सफलता की कुंजी एसजेएम के दर्शन पर आधारित 'राष्ट्र प्रथम' की नीति है। प्रस्ताव में भारत के देशभक्त नागरिकों से आग्रह किया गया है कि अब समय आ गया है कि उन्हें जहां भी घरेलू उत्पादन, कृषि और औद्योगिक दोनों उपलब्ध हों, हमें भारतीय उत्पादों का ही उपयोग करना चाहिए। एसजेएम की राष्ट्रीय परिषद ने नागरिकों को आयुष का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया है ताकि पेटेंट दवाओं पर निर्भरता कम हो सके। विज्ञप्ति के अनुसार एसजेएम का यह भी मानना है और वह इसकी वकालत भी करता है कि जमीनी स्तर पर उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करना तथा गांवों के नेतृत्व में विकास करना भारत के लिए आर्थिक विकास का सही मार्ग होगा।

प्रस्ताव में एसजेएम ने भारतीय रुपये में विदेशी व्यापार को बढ़ाने के लिए सरकार के प्रयास की सराहना की है, हालांकि, संगठन ने कहा है , सुनिश्चित करने के लिए भी प्रयास किए जाने चाहिए कि विदेशी मुद्रा और स्विफ्ट जैसी भुगतान प्रणाली को दबाव की रणनीति के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति न दी जाए। एसजेएम ने कहा है , अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, डोनाल्ड ट्रम्प ने दुनिया भर के कई देशों से आयात पर उच्च टैरिफ (पारस्परिक आधार पर) लगाने के अपने इरादे की घोषणा करके वैश्विक मुक्त व्यापार प्रणाली पर सीधा हमला किया है।

बयान में कहा गया है कि इसका उद्देश्य अमेरिका में विनिर्माण को वापस लाना है ताकि बेरोजगारी की समस्या का समाधान हो सके। एसजेएम ने कहा है, अगर हम इतिहास में जाएं, तो यह अमेरिका और उसके सहयोगी ही थे जिन्होंने दुनिया को मुक्त व्यापार की ओर धकेला था, खासकर विश्व व्यापार संगठन के आगमन के साथ, नियम आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली की शुरुआत की।

लेकिन अमेरिका और उसके सहयोगियों ने इसके साथ ही नयी प्रणाली में देश-विशिष्ट के खिलाफ, अपनी इच्छा के अनुसार ऊंचे प्रशुल्क लगाने का एक अलग अधिकार हासिल कर लिया। बयान में कहा गया है कि स्वदेशी जागरण मंच के व्यापक विरोध के बावजूद, भारत में तत्कालीन सरकार ने बिंदीदार रेखाओं पर डब्ल्यूटीओ समझौते पर हस्ताक्षर किए। संगठन ने कहा है कि 1990 के दशक से यह धारणा जोर पकड़ रही है कि उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण की नीति ही दुनिया के लिए, खासकर विकासशील देशों के लिए आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है, हालांकि स्वदेशी जागरण मंच हमेशा ऐसे उदारीकरण और वैश्वीकरण के खिलाफ रहा है, जैसा कि प्रस्तुत किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख सीरिया के तटीय क्षेत्र में सामूहिक हत्याओं से चिंतित

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सीरिया के तटीय इलाकों में बढ़ती हिंसा पर गहरी चिंता जताई है, जहां बड़े पैमाने पर हत्याएं हुई हैं, जिनमें एक संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी भी शामिल था। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि महासचिव ने सीरियाई लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है जो अपने प्रियजनों को खो चुके हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। गुटेरेस ने सभी पक्षों से अपील की है कि वे आम नागरिकों की सुरक्षा करें और हिंसा भड़काने वाली बयानबाजी व कार्रवाइयों को रोकें। सीरिया में 14 वर्षों से जारी संघर्ष के बीच उन्होंने समुदायों के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की है। प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने रक्तपात को तुरंत रोकने और हिंसा करने वालों को सजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सीरिया के लोगों की चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। दुजारिक ने कहा, महासचिव ने कार्यवाहक अधिकारियों द्वारा एक जांच समिति और नागरिक शांति बनाए रखने के लिए एक समिति की घोषणा का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि सीरिया में स्थायी शांति के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी न्याय प्रक्रिया और सुलह अत्यंत आवश्यक हैं।

नागरिक स्वतंत्रता रिपोर्ट में पाकिस्तान के हालात पर जताई गई चिंता

इस्लामाबाद । एक नवीनतम वैश्विक रिपोर्ट में पाकिस्तान में नागरिक स्वतंत्रता के संबंध में गंभीर चिंता व्यक्त की गई। यह रिपोर्ट दुनिया भर में सिविल सोसाइटी को मजबूत करने के लिए काम कर रहे नागरिक समाज संगठनों और कार्यकर्ताओं के एक ग्लोबल गठबंधन ने जारी की। पाकिस्तान को अपनी निगरानी सूची में शामिल करने का कारण बताते हुए सिविकस ने कहा कि देश में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों को निशाना बनाए जाना, मानवाधिकार आंदोलनों, विरोध प्रदर्शनों पर कार्रवाई और डिजिटल प्रतिबंध इसकी वजह है। सिविकस मॉनिटर की मानवाधिकार निगरानी सूची 2025 के अनुसार, पाकिस्तान की स्थिति अब दमित के रूप में वर्गीकृत है, जिसका अर्थ है कि देश में सिविक स्पेस काफी सीमित है। सिविकस ने आतंकवाद विरोधी अधिनियम का भी जिक्र किया, जिसका इस्तेमाल मौजूदा पाकिस्तानी शासन ने वर्ष 2024 के दौरान पश्तून तहफुज आंदोलन पर प्रतिबंध लगाने के लिए किया था। रिपोर्ट में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, वकीलों और अन्य दलों के खिलाफ आरोपों, कार्रवाइयों और हमलों को राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा बताया गया है। रिपोर्ट में इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम (पीईसीए) के तहत पत्रकारों को निशाना बनाए जाने का भी उल्लेख किया गया, जिन पर राज्य संस्थाओं के खिलाफ झूठी कहानियां फैलाने का आरोप है।

अमेरिकी सीनेट ने लोरी शावेज-डेरेमर को श्रम मंत्री के रूप में मंजूरी दी

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने ओरेगन से पूर्व रिपब्लिकन प्रतिनिधि लोरी शावेज-डेरेमर को श्रम मंत्री के रूप में मंजूरी दी। उच्च सदन ने सुश्री लोरी शावेज डेरेमर के नामांकन को 67-32 मतों से मंजूरी दी जिसमें 17 डेमोक्रेट इसके पक्ष में थे जो द्विदलीय समर्थन को दर्शाता है। तीन रिपब्लिकन सीनेटरों ने इसका विरोध किया। सुश्री शावेज-डेरेमर ने 2022 के मध्यावधि चुनाव में ओरेगन के 5वें कांग्रेसनल जिले के लिए चुनाव लड़ा। यह मध्य और दक्षिणी ओरेगन के कुछ हिस्सों को कवर करता है। सुश्री शावेज-डेरेमर उन तीन रिपब्लिकन में से एक थी जिन्होंने संगठित होने के अधिकार की रक्षा अधिनियम (पीआरओ अधिनियम) का समर्थन किया। यह पिछले कांग्रेस में पेश किया गया एक कानून है जिसका उद्देश्य श्रमिकों के लिए यूनियन बनाना आसान बनाना है। श्रम विभाग एक सरकारी एजेंसी है जो संघीय श्रम कानूनों और नीतियों की देखरेख और उन्हें लागू करने के लिए जिम्मेदार है जो कार्यबल को प्रभावित करते हैं जैसे कि न्यूनतम वेतन, और स्वास्थ्य और सुरक्षा मानक। इसका श्रम सांख्यिकी ब्यूरो (बीएलएस) बेरोजगारी दर और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) सहित महत्वपूर्ण आर्थिक डेटा की रिपोर्ट करता है।

सऊदी क्राउन प्रिंस सलमान ने ज़ेलेंस्की से मुलाकात की

जेद्दा /सऊदी अरब। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने जेद्दा में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की से मुलाकात की। आधिकारिक सऊदी प्रेस एजेंसी (एसपीए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एसपीए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि सऊदी क्राउन प्रिंस ने जेद्दा के अल-सलाम पैलेस में यूक्रेन के राष्ट्रपति का स्वागत किया। यहां एक आधिकारिक स्वागत समारोह आयोजित किया गया था। दोनों नेताओं ने औपचारिक बातचीत भी की। श्री जेलेंस्की अमेरिका-यूक्रेन वार्ता से पहले सऊदी तटीय शहर में पहुंचे। कीव स्थित यूक्रेनी समाचार एजेंसी ने शुक्रवार को श्री ज़ेलेंस्की के हवाले से कहा, ' मैं क्राउन प्रिंस (मोहम्मद बिन सलमान) से मिलने के लिए सऊदी अरब जाने वाला हूं। उसके बाद मेरी टीम हमारे अमेरिकी भागीदारों के साथ काम करने के लिए सऊदी अरब में रहेगी।' अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ही जेद्दा पहुंचे और सऊदी क्राउन प्रिंस से मुलाकात की। अमेरिकी विदेश विभाग के पिछले बयान के अनुसार श्री रुबियो सोमवार से बुधवार तक जेद्दा में रहेंगे और 'रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए' यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल से मिलेंगे।

यूक्रेन की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय बल पर पेरिस में चर्चा, 30 से अधिक देश होंगे शामिल

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस और ब्रिटेन द्वारा प्रस्तावित यूक्रेन की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय बल की रूपरेखा पर चर्चा के लिए मंगलवार को पेरिस में 30 से अधिक देशों के सैन्य अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। इस पहल का उद्देश्य यूक्रेन में संभावित युद्धविराम के बाद रूस को दोबारा आक्रमण करने से रोकना है।

बैठक का उद्देश्य और भागीदारी

फ्रांस के एक सैन्य अधिकारी के अनुसार, यह बैठक इस विचार पर केंद्रित होगी कि कैसे एक बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल गठित किया जाए जो युद्धविराम लागू होने के बाद यूक्रेन की रक्षा कर सके। इस पहल में यूरोप, एशिया और ओशिनिया के कई देश शामिल होंगे, जो बैठक में व्यक्तिगत रूप से या ऑनलाइन भाग लेंगे। फ्रांस और ब्रिटेन इस योजना पर मिलकर काम कर रहे हैं और इसे इच्छुक और सक्षम देशों के गठबंधन

के रूप में देख रहे हैं, जो यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में योगदान दे सकें।

सैन्य रणनीति और संभावित योगदान

फ्रांसीसी अधिकारी ने कहा कि यह सुरक्षा बल भारी हथियारों और आपातकालीन युद्ध सामग्री के भंडारण से लैस होगा, ताकि रूस द्वारा युद्धविराम तोड़ने की स्थिति में तुरंत यूक्रेन को सहायता दी जा सके। बैठक के पहले सत्र में फ्रांस-ब्रिटेन की योजना प्रस्तुत की जाएगी, जबकि दूसरे सत्र में प्रतिभागी देश अपनी सैन्य क्षमताओं के अनुरूप योगदान देने पर चर्चा करेंगे।

फ्रांसीसी सैन्य अधिकारी ने कहा, यह मांगपत्र नहीं है, बल्कि यह देखने की प्रक्रिया है कि कौन-कौन क्या योगदान दे सकता है। हालांकि, अंतिम निर्णय राजनीतिक स्तर पर सरकारों द्वारा लिया जाएगा।

नाटो और अन्य देशों की भागीदारी

-नाटो के 32 में से 29 सदस्य देश बैठक में भाग लेंगे, जबकि क्रोएशिया, मोंटेनेग्रो और अमेरिका अनुपस्थित रहेंगे।

-अमेरिका को आमंत्रित नहीं किया गया, क्योंकि यूरोपीय देश यह दिखाना चाहते हैं कि वे यूक्रेन की सुरक्षा जिम्मेदारी स्वयं संभाल सकते हैं।

-ग़ैर-नाटो यूरोपीय संघ सदस्य आयरलैंड, साइप्रस और ऑस्ट्रिया के सैन्य प्रतिनिधि भी बैठक में भाग लेंगे।

पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार, डॉक्टरों ने कहा- जान को कोई खतरा नहीं

एजेंसी

वेटिकन सिटी । वेटिकन ने बताया कि पोप फ्रांसिस के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि उनकी सेहत में सुधार हो रहा है और जान को कोई खतरा नहीं है।

वेटिकन ने पोप फ्रांसिस की हेल्थ के बारे में बताया कि 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस को जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। हालांकि, उनकी स्थिति अभी भी जटिल है। वेटिकन ने एक बयान में कहा, होली फादर की चिकित्सा स्थितियां अभी भी स्थिर बनी हुई है।

बयान में कहा गया है कि पिछले दिनों में जो सुधार हुए थे, वे अब और बेहतर हो गए हैं, जैसा कि खून के टेस्ट, डॉक्टर की जांच और दवाइयों के अच्छे असर से साबित हुआ है। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि पोप फ्रांसिस अपना इलाज पूरा करने के लिए कुछ और दिनों के लिए चिकित्सा निगरानी में रहें, क्योंकि उनकी स्थिति जटिल है और उन्हें अस्पताल में भर्ती होने के समय गंभीर संक्रमण था। पोप फ्रांसिस की तबीयत में सुधार हो रहा है और वह अपने इलाज के दौरान शारीरिक तथा सांस संबंधी चिकित्सा से गुजर रहे हैं। वे रात में ऑक्सीजन मास्क और दिन में हाई-फ्लो ऑक्सीजन कैनुला का उपयोग करते हैं।

हालांकि, पोप ने अपने प्रवेश के बाद से कोई सार्वजनिक उपस्थिति नहीं दिखाई है, लेकिन वे वीडियो लिंक के माध्यम से वेटिकन की प्रार्थनाओं का पालन करते हैं। पिछले सप्ताह पोप ने एक ऑडियो संदेश भी रिकॉर्ड किया, जिसमें उन्होंने अपने स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना और समर्थन करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया। लगातार चार अपनी एंजेल्स प्रार्थना में शामिल नहीं होने के बावजूद पोप फ्रांसिस ने अपनी चिकित्सा टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए एक संदेश साझा किया।

प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे मॉरिशस, गर्मजोशी भरा स्वागत

एजेंसी

पोर्ट लुईस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को मॉरिशस पहुंच गए। मॉरिशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने एयरपोर्ट पहुंच कर गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। उनके साथ मॉरिशस के उप प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, विपक्ष के नेता व विदेश मंत्री सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा के लिए मंगलवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समयानुसार) मॉरिशस के सर शिवसागर रामगुलाम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे।मोदी ने अपने भव्य स्वागत के लिए आभार व्यक्त करते हुए एक्स पोस्ट में लिखा- मैं मॉरिशस पहुँच गया हूँ। मैं अपने मित्र प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम का आभारी हूँ, जिन्होंने हवाई अड्डे पर मेरा विशेष स्वागत किया। यह यात्रा एक मूल्यवान मित्र से मिलने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते

तलाशने का एक शानदार अवसर है। आज मैं राष्ट्रपति धरम गोखूल, प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से मिलूँगा और शाम को एक सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करूँगा। उल्लेखनीय है कि बता मोदी मॉरिशस की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। वे राष्ट्रीय दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और उनके इस दौरे में कई द्विपक्षीय समझौते भी होंगे।

सोल और वाशिंगटन के संयुक्त सैन्य अभ्यास से नाराज उत्तर कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

एजेंसी

सोल । उत्तर कोरिया ने पीले सागर की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरियाई सेना ने यह दावा किया। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में लौटने के बाद प्योंगयांग का पहला ज्ञात बैलिस्टिक मिसाइल टेस्ट है। संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उन्होंने उत्तरी ह्वांगहे प्रांत के पश्चिमी काउंटी ह्वांगजू के निकट एक क्षेत्र से इस प्रक्षेपण का पता लगाया।

जेसीएस ने कहा कि इसमें निकट दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें (सीआरबीएम) या 300 किलोमीटर से कम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हो सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के तहत, उत्तर कोरिया को बैलिस्टिक मिसाइल तकनीक का उपयोग करने वाले किसी भी प्रक्षेपण से प्रतिबंधित किया गया है।

जेसीएस ने कहा कि उसने निगरानी को मजबूत किया है और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ घनिष्ठ सहयोग के तहत पूरी तरह से खतरे के लिए तैयार है। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने 11 दिनों के लिए अपना वार्षिक 'फ्रीडम शील्ड' अभ्यास शुरू किया।

उत्तर कोरिया लंबे समय से सहयोगियों के संयुक्त अभ्यास की निंदा करता रहा है और इसे अपने खिलाफ आक्रमण का पूर्वाभ्यास बताता रहा है। इसके जवाब में वह हथियारों का परीक्षण करता रहा है। प्योंगयांग ने नवीनतम संयुक्त अभ्यास की निंदा करते हुए लगातार बयान जारी किए, जिसेमें धमकी दी गई कि सोल और वाशिंगटन को उनके 'खतरनाक उत्तेजक कृत्य' के लिए

'भयानक' कीमत चुकानी पड़ेगी। इससे पहले उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस संयुक्त अभ्यास से सुरक्षा संकट और बढ़ जाएगा। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने आक्रमण अभ्यास को लेकर प्योंयांग के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने अपने संयुक्त अभ्यास को रक्षात्मक प्रकृति का बताया।

अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड्स में गिरावट, ट्रंप की चेतावनी से मंदी की आशंका गहराई

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड्स गिर गईं, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों ने संभावित आर्थिक मंदी को लेकर नई चिंताओं को जन्म दिया है। दरअसल, ट्रंप ने रविवार को एक साक्षात्कार में यह कहने से इनकार कर दिया कि अमेरिका आर्थिक मंदी का सामना करेगा या नहीं। उन्होंने इसे संक्रमण काल करार दिया, जिससे बाजार में अनिश्चितता और बढ़ गई।

मंदी की आशंका और सरकारी रुख

बीते अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा था कि देश की अर्थव्यवस्था सरकारी खर्च से निजी खर्च की ओर बढ़ रही है। उन्होंने इसे डिटॉक्स पीरियड बताया, जो अर्थव्यवस्था को संतुलित करने के लिए आवश्यक है।

हालांकि, बाजार विशेषज्ञ इस बदलाव को लेकर चिंतित हैं। एफएचएन फाइनेंशियल के मैक्रो रणनीतिकार विल कॉम्पर्नोल ने कहा, यदि व्हाइट हाउस में बैठे व्यक्ति को खुद अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लघु अवधि के विकास पर भरोसा नहीं है, तो बाजार को क्यों होना चाहिए?

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस डिटॉक्स प्रक्रिया को अल्पकालिक पीड़ा के रूप में देख रही है, तो असली खतरा यह है कि अगर यह प्रयोग असफल हो गया, तो सरकार के पास मंदी

को रोकने के लिए आवश्यक उपाय नहीं होंगे।

बॉन्ड मार्केट में उथल-पुथल

-10 वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी नोट की यील्ड 8.2 आधार अंक गिरकर 4.236फीसदी हो गई।

-2 वर्षीय ट्रेजरी नोट की यील्ड 7.3 आधार अंक गिरकर 3.929फीसदी पर आ गई।

-2 वर्षीय और 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड का अंतर एक आधार अंक बढ़कर 31 आधार अंक हो गया।

ट्रंप की व्यापार नीतियों से बढ़ी अनिश्चितता

अमेरिकी बाजार पहले से ही ट्रंप प्रशासन की व्यापार नीतियों के कारण अस्थिर है। मैक्सिको, कनाडा और चीन पर लगाए गए अनिश्चितकालीन टैरिफ के कारण निवेशकों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

विश्लेषकों का मानना है कि इस अनिश्चितता के कारण निवेशकों का विश्वास कमजोर हुआ है, जिससे बॉन्ड मार्केट में अस्थिरता बढ़ी है। ट्रंप प्रशासन द्वारा टैरिफ नीति के अस्पष्ट क्रियान्वयन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये शुल्क कब तक लागू रहेंगे और अर्थव्यवस्था पर इनका दीर्घकालिक प्रभाव क्या होगा।

हूती नेता ने इजरायल के जहाजों पर फिर से हमला करने की दी धमकी

एजेंसी

सना । यमन के हूती नेता अब्दुल मलिक अल-हूती ने ऐलान किया है कि अगर मानवीय सहायता चार दिन की समय-सीमा के भीतर गाजा नहीं पहुंचती है, तो उनका समूह इजरायल से जुड़े जहाजों के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू कर सकता है।

अब्दुल मलिक अल-हूती ने समूह के अल-मसीरा टीवी चैनल पर एक टेलीविजन भाषण में इस बात का ऐलान किया। उन्होंने कहा, हम गाजा पट्टी में मदद भेजने के लिए अपनी तय की गई समय सीमा पर कायम हैं और हमारे सशस्त्र बल अभियान चलाने के लिए तैयार हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हूती नेता ने पहले इजराइल और हमास के बीच मध्यस्थों को चार दिन का अल्टीमेटम दिया था, ताकि गाजा में सहायता पहुंचाने का काम फिर से शुरू किया जा सके। हूती नेता का यह अल्टीमेटम मंगलवार को समाप्त होने वाला है। राजधानी सना सहित उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण रखने वाले हूती समूह ने नवंबर 2023 से लाल सागर और इजरायली शहरों में इजरायल से जुड़े जहाजों पर ड्रोन और रॉकेट हमले किए हैं। उन्होंने इजरायल-हमास संघर्ष के बीच फिलिस्तीनियों के समर्थन में ये हमले किए हैं। हालांकि, इसके जवाब में इजरायली सेना ने सना और लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेइदाह में हूती सैन्य स्थलों को निशाना बनाया है।

इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम समझौते के बाद हूती हमले बंद हो गए। हालांकि, समूह ने अब धमकी दी है कि अगर गाजा पर नाकाबंदी नहीं हटाई गई तो वे फिर से अभियान शुरू कर देगा। इजरायल ने हमास के साथ चल रहे युद्ध के दौरान यमन में हूती विद्रोहियों को पांच बार निशाना बनाया है।

पाकिस्तान की जेलों से 21 अफगानिस्तानी कैदी हुए रिहा

एजेंसी

काबुल। पाकिस्तान के जेलों में बंद अफगानिस्तान के 21 कैदियों को रिहा कर दिया गया है और उन्हें स्वदेश भेज दिया है। यह जानकारी शरणार्थी एवं प्रत्यावर्तन मंत्रालय ने दी।

मंत्रालय के बयान के अनुसार, 21 कैदी पाकिस्तान की जेलों में दो से 25 महीने तक कैद रहे और रिहा होने के बाद सभी कैदी रविवार को अफगानिस्तान लौट आए। पिछले चार महीनों से इराक में हिरसत में लिए गए दो अफगान नागरिकों को भी शुक्रवार को रिहा किया गया और वे भी स्वदेश लौट आए। गौरतलब है कि सितंबर 2024 में अफगानिस्तान के जेल प्रशासन के आंकड़ों के

अनुसार वर्तमान में आठ से नौ हजार अफ़गानिस्तानी नागरिक विदेशी जेलों में बंद हैं। उनमें से ज़्यादातर ईरान और पाकिस्तान में बंद हैं।

अमेरिका के मिसिसिपी में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

ह्यूस्टन। अमेरिका के दक्षिणी राज्य मिसिसिपी के मैडिसन काउंटी में एक मेडिकल हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पीड़ितों में पायलट और अस्पताल के दो कर्मचारी शामिल हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मिसिसिपी मेडिकल सेंटर ने एक बयान में पुष्टि की कि दुर्घटना के समय हेलीकॉप्टर में कोई मरीज सवार नहीं था। मैडिसन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि हेलीकॉप्टर घने जंगल वाले इलाके में गिरा। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

एलन मस्क ने 'एक्स' पर हुए साइबर हमले के तार यूक्रेन से जुड़े होने के दिए संकेत

एजेंसी

नई दिल्ली । अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने संकेत दिए हैं कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हाल में हुए साइबर हमले के तार यूक्रेन से जुड़े हो सकते हैं। इस साइबर हमले के कारण एक्स पर एक बड़ा ग्लोबल आउटेज हुआ था। भारत सहित यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया के लाखों यूजर्स लंबे समय तक माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म को एक्सेस नहीं कर पा रहे थे। आउटेज ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर के अनुसार, एक्स आउटेज दोपहर 3 बजे पीक पर था।

मीडिया से बात करते हुए एक्स के मालिक मस्क ने आरोप लगाया कि साइबर अटैक के डिजिटल ट्रेस यूक्रेन से उत्पन्न हुए थे। फॉक्स न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में मस्क ने कहा, ÷हमें ठीक से पता नहीं है कि क्या हुआ था, लेकिन यह यूक्रेन एरिया से उत्पन्न आईपी एड्रेस के साथ एक्स सिस्टम को डाउन करने की कोशिश के साथ एक बड़ा साइबर अटैक था।

डाउनटाइम के दौरान, एक्स ने पूरी तरह से काम करना बंद कर दिया था और 40 हजार से ज्यादा यूजर्स को कनेक्टिविटी की समस्या का सामना करना पड़ा और वे पोस्ट करने या प्लेटफॉर्म पर पेज खोलने में भी असमर्थ थे। एक्स पर साइबर हमले के रूप में आउटेज की पुष्टि करते हुए मस्क ने कहा था कि वे उन लोगों का पता लगाएंगे जो इस हमले के पीछे हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने एक पोस्ट में कहा, हम पर हर दिन अटैक होता है, लेकिन यह बहुत सारे रिसोर्स के साथ किया गया था। अटैक या तो एक बड़े कॉर्डिनेटेड ग्रुप या किसी देश की ओर से किया गया, हम पता लगा रहे हैं।उन्होंने कहा था, एक्स के खिलाफ एक बड़ा साइबर हमला हुआ था (जो कि अभी भी है)। उन्होंने कहा कि यह हमला उन्हें और उनके प्लेटफॉर्म को चुप कराने का एक प्रयास है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सलाहकार के रूप में मस्क लगातार यूक्रेन की आलोचना करते रहे हैं। हाल ही में, मस्क ने यह भी दावा किया कि यूक्रेन की फ्रंट लाइन उनकी स्टारलिंक सैटेलाइट सर्विस के बिना ध्वस्त हो जाएगी, लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि वे पहुंच को रद्द नहीं करेंगे। उन्होंने एक पोस्ट साझा कर अपने दावों को और भी पक्का कर दिया, जिसमें कहा गया है कि यह हमला उनके खिलाफ अभियान का हिस्सा था।

इराक ने की ग्रीष्मकालीन बिजली योजनाओं की समीक्षा

बगदाद। इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने रविवार को एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें गर्मियों से पहले बिजली आपूर्ति को सुरक्षित करने की योजनाओं का आकलन किया गया। यह कवायद अमेरिका के ईरान से बिजली खरीदने के लिए इराक को दी गयी छूट समाप्त करने के निर्णय को देखते हुए की गयी है अल-सुदानी के कार्यालय ने एक बयान में कहा, इराक के बिजली मंत्रालय ने बिजली आपूर्ति को बनाए रखने के उपाय प्रस्तुत किए, जबकि तेल मंत्रालय ने बिजली संयंत्रों के लिए आवश्यक ईंधन उपलब्ध कराने की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। बयान के अनुसार, बैठक में अल-महमूदिया से बिस्मयाह तक 40 किलोमीटर लंबी गैस पाइपलाइन के विस्तार को मंजूरी दी गई, जो गर्मियों के दौरान बिस्मयाह बिजली संयंत्र को पूरी क्षमता से संचालित करने की अनुमति देता है। अमेरिकी मीडिया ने बताया कि अमेरिका ने ईरान पर अपने अधिकतम दबाव अभियान के तहत छूट को रद्द कर दिया। इराक के बिजली मंत्रालय के प्रवक्ता अहमद मूसा ने कहा कि गैस आयात पर प्रतिबंध से इराक को अपनी बिजली ऊर्जा का 30 प्रतिशत से अधिक खोना पड़ेगा।

यूक्रेन का मॉस्को पर सबसे बड़ा ड्रोन अटैक, रूस का दावा- हमले को किया नाकाम

एजेंसी

मॉस्को । यूक्रेन ने मंगलवार को रूसी राजधानी पर अपना सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रूस में कुल 337 यूक्रेनी ड्रोन गिराए गए। 91 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र में गिराए गए जबकि और 126 कुर्स्क क्षेत्र में गिराए गए, जहां से यूक्रेनी सेनाएं पीछे हट रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ड्रोन अटैक में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई, एयरपोर्ट बंद हो गए और दर्जनों उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। यह बड़ा ड्रोन हमला ऐसे समय में हुआ है, जब यूक्रेनी अधिकारियों का एक दल तीन वर्ष पुराने युद्ध में संभावित शांति वार्ता के लिए आधार तलाशने के लिए सऊदी अरब में अमेरिकी दल से मिलने की तैयारी कर रहा है।

वहीं रूसी सेना पश्चिमी रूसी क्षेत्र कुर्स्क में हजारों यूक्रेनी सैनिकों को घेरने की कोशिश कर रही है। बता दें पिछले साल अगस्त में हजारों यूक्रेनी सैनिकों ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र के लगभग 1,300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। रूस को हाल के दिनों में क्षेत्र में

कुछ कामयाबी मिली है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने कहा कि हवाई सुरक्षा अभी भी शहर पर हमलों को रोक रही है। उन्होंने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा, मॉस्को पर दुश्मन के यूएवी (मानव रहित हवाई वाहनों) के सबसे बड़े हमले को नाकाम कर दिया गया है।

रूस की राजधानी और आस-पास के क्षेत्र की आबादी कम से कम 21 मिलियन है। यह यूरोप के सबसे बड़े महानगरीय क्षेत्रों में से एक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने कहा कि कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। उन्होंने एक क्षतिग्रस्त अपार्टमेंट की तस्वीर पोस्ट की, जिसकी खिड़कियां हमले में उड़ गई थीं। वोरोब्योव ने कहा कि कुछ लोगों को क्रेमलिन से लगभग 50 किमी (31 मील) दक्षिण-पूर्व में मॉस्को क्षेत्र के रामेंस्कोय जिले में एक बहुमंजिला इमारत खाली करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को में दहशत का कोई संकेत नहीं था, यात्री सेंट्रल मॉस्को में सामान्य रूप से काम पर जाते देखे गए। रूस के विमानन निगरानीकर्ता ने कहा कि हमलों के बाद हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मास्को के सभी चार हवाई अड्डों पर उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं। मास्को के पूर्व में यारोस्लाव और निजनी नोवगोरोड क्षेत्रों में दो अन्य हवाई अड्डे भी बंद कर दिए गए हैं।

सरकार जीबी पंत सोनावर के मौजूदा भवन में सामान्य अस्पताल स्थापित करने की संभावना की जांच करेगी: सकीना इत्तू

जम्मू 11 मार्च। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कहा कि सरकार जीबी पंत सोनावर के मौजूदा भवन में सामान्य अस्पताल स्थापित करने की संभावनाओं की जांच करेगी।

मंत्री ने विधानसभा में अहसान परदेसी के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

मंत्री ने सदन को सूचित किया कि बाल चिकित्सा अस्पताल, सोनवर 26.09.2022 को बेमिना में स्थानांतरित हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी छाती रोग अस्पताल श्रीनगर वर्तमान में पुराने जीबी पंत अस्पताल, सोनावर में पल्मोनरी ओपीडी चला रहा है और वहां बुनियादी बायो-केमिस्ट्री जांच, ईसीजी और एक्स-रे चेस्ट जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं, इसके अलावा, सप्ताह में एक बार सीटी स्कैन किया जाता है। मंत्री ने यह भी बताया कि उक्त परिधि के भीतर, कश्मीर नर्सिंग होम, सोनावर स्थानीय आबादी की आवश्यकता को पूरा करता है जो नियमित रूप से ओपीडी सेवाएं चलाता है।

निंगली नाले के लिए 16.89 करोड़ रुपये की लागत से बाढ़ सुरक्षा कार्य चल रहा है: जल शक्ति मंत्री

जम्मू। जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने कहा कि निंगली नाले के लिए नाबार्ड के तहत स्वीकृत 16.89 करोड़ रुपये की लागत से बाढ़ सुरक्षा कार्य वर्तमान में चल रहा है।

मंत्री ने यह बात विधानसभा में इरशाद रसूल कर द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर देते हुए कही।

मंत्री ने सदन को बताया कि 44.85 करोड़ रुपये की लागत से डीपीआर तैयार कर ली गई है और यह जैंगीर नहर के आधुनिकीकरण के लिए नाबार्ड के तहत शुरू की जाने वाली परियोजनाओं की सूची का हिस्सा होगी, जबकि एफ्ऌमपी चरण प्प् के तहत एक कार्य पूरा हो चुका है और पोहरू नाले के संबंध में यूटी कैपेक्स के तहत एक कार्य चल रहा है।

उन्होंने बताया कि खुर्सी नाला डी/एस नेशनल हाईवे (सोपोर निर्वाचन क्षेत्र) की डीपीआर तैयार करने के लिए सर्वेक्षण कार्य पूरा हो चुका है और डीपीआर उसी के अनुसार तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि डब्ल्यूएसएस जैंगीर आंशिक रूप से, डब्ल्यूएसएस शिवा (प्रस्तावित) आंशिक रूप से, डब्ल्यूएसएस सैदपोरा (प्रस्तावित) आंशिक रूप से, स्रोत के रूप में ज़ानागीर नहर पर निर्भर हैं और डब्ल्यूएसएस मज़बुग, डब्ल्यूएसएस चेकपोरा नौपोरा, डब्ल्यूएसएस नौपोराकलां, डब्ल्यूएसएस बोहरीपोरा शीराज कॉलोनी, डब्ल्यूएसएस बोहरीपोरा हमदानाबाद और डब्ल्यूएसएस सिद्दीक कॉलोनी और मॉडल टाउन, डब्ल्यूएसएस वडूरा, डब्ल्यूएसएस नाथीपोरा पोहरू नाला पर स्रोत के रूप में निर्भर हैं, जबकि डब्ल्यूएसएस तकियाबल वागूब, डब्ल्यूएसएस शार्कवारा ग्रामीण, निंगली नाला पर स्रोत के रूप में निर्भर हैं।

उन्होंने कहा कि डीपीआर विस्तृत सर्वेक्षण पर आधारित है, जिसमें स्रोत की मात्रा और गुणवत्ता का आकलन शामिल है। इन योजनाओं में बीआईएस 10500 गुणवत्ता मापदंडों को पूरा करने के लिए रैपिड सैंड फिल्ट्रेशन प्लांट का प्रावधान रखा गया है। सतही जल को एक स्रोत के रूप में लिया गया है, जिसमें पर्याप्त निर्वहन होता है, जिससे स्थिरता सुनिश्चित होती है।

व्यय का विवरण साझा करते हुए मंत्री ने कहा कि नाबार्ड के अलावा एफ्ऌमपी चरण प्प् यूटी कैपेक्स, एमएंडआर और पीआरआई अनुदान जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत सोपोर निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न नालों के रखरखाव और रखरखाव के लिए 3.80 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है।

तोसामैदान क्षेत्रों में 106 करोड़ रुपये की दो डब्ल्यूएसएस निर्माणाधीन: जावेद राणा

जम्मू, 11मार्च। जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत 1060.89 लाख रुपये की अनुमानित लागत से दो जलापूर्ति योजनाएं शुरू की गई हैं। हब्बर, लस्सीपोरा और तोसमैदान क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए की परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

मंत्री ने सैफ-उद-दीन भट्ट द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही। मंत्री ने कहा कि अब तक 7.80 करोड़ रुपये की राशि व्यय की जा चुकी है, जिसमें इन योजनाओं में उपयोग के लिए पाइपों की खरीद पर खर्च की गई 7.27 करोड़ रुपये की राशि शामिल है।

मंत्री ने आगे बताया कि खानपोरा गांव डब्ल्यूएसएस इस्केंडरपोरा लोलीपोरा के दायरे में आता है, जो नाबार्ड के तहत चल रहा है, जिसकी अनुमानित लागत 6.78 करोड़ रुपये है, जिसके लिए अब तक 3.80 करोड़ रुपये की राशि व्यय की जा चुकी है, जिसमें पाइपों की खरीद पर 3.44 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

मंत्री ने आगे बताया कि खानसाहिब विधानसभा क्षेत्र में जेजेएम के तहत पांच निस्पंदन संयंत्र हैं, जो पूरा होने के विभिन्न चरणों में हैं।

मंत्री ने कहा कि इन सभी योजनाओं और निस्पंदन संयंत्रों का पूरा होना सीएसएस और संबंधित यूटी घटक के तहत धन की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

'बेर' की खेती

परिचय

बेर भारत का प्राचीन लोकप्रिय फल है। यह रैमनैसी कुल से सम्बन्धित है तथा जिजीफस जीनस (वंश) के अंतर्गत आता है। इस जीनस के अंतर्गत लगभग 50 जातियाँ (स्पीसीज) हैं जिनमें लगभग 18-20 भारत में पाई जाती हैं। व्यावसायिक दृष्टि से कुछ ही जातियाँ उपयोगी हैं। हमारे देश में व्यावसायिक दृष्टि से बागवानी के लिये जिजीफस मोरीशियाना तथा जिजीफस जुजुबा का उपयोग किया जाता है। बेर के पके फल ताजे खाये जाते हैं। इसके अतिरिक्त पके फलों को सुखाकर छुआरा, कैन्डी व शीतल पेय के रूप में भी उपयोग में लाया जाता है। पके फल में विटामिन सी, ए, बी तथा शर्करा के अतिरिक्त खनिज पदार्थ, कैल्शियम, मैग्नीशियम व जस्ता प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। बेर के पौधे में कुछ ऐसे गुण हैं जिसके कारण यह जम्मू संभाग के गर्म - शुष्क क्षेत्रों में भी खेती के लिये बहुत ही सफल फलदार वृक्ष हैं। इसे बारानी का बादशाह भी कहा जाता है। इसकी जड़ मूसलादार होती है जो मिट्टी के कठोर सतह को तोड़कर काफी गहराई तक पहुंचकर निचली सतह से जल शोषित कर पौधे को स्वस्थ रखती है। अन्य फल वृक्षों की तुलना में इसके पौधों को बहुत कम पानी की आवश्यकता पड़ती है। गर्मी के मौसम में जब अन्य फल वृक्षों को सिंचाई की आवश्यकता होती है उस समय इसकी पत्तियाँ झड़ जाती हैं तथा पौधा एक प्रकार से प्रसुप्तावस्था में आ जाता है जिसके परिणाम स्वरूप सिंचाई की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इसमें फूल तथा फल वर्षा ऋतु के बाद अगस्त-सितम्बर में आते हैं। फल फरवरी से मार्च तक पकते हैं। इन्हीं गुणों के कारण बेर की बागवानी शुष्क तथा अर्धशुष्क क्षेत्रों के लिये लाभदायक प्रमाणित हो रही है।

इसकी बागवानी वैसे तो सभी प्रकार की जलवायु में की जा सकती है किन्तु अधिक उत्पादन तथा अच्छे आकार व गुणों वाले फल उत्पादन के लिये शुष्क एवं गर्म जलवायु उपयुक्त है। इसके अतिरिक्त उन क्षेत्रों में जहाँ भूमिगत जल काफी निचली सतह पर हो, वहां भी बेर की बागवानी की जा सकती है। आर्द्रता वाले क्षेत्र में खर्रा व्याधि के प्रकोप की सम्भावना अधिक होती है।

बेर की बागवानी विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे- उथली, गहरी, कंकरीली, रेतीली, चिकनी आदि में की जा सकती है। इसके अतिरिक्त लवणीय, क्षारीय दशा में भी उगने की क्षमता रखता है। इसके पौधे 40-50 प्रतिशत विनिमयशील सोडियम (क्षारीय) तथा 12-15 मिलीम्होज प्रति सें.मी. विद्युत् चालकता वाली लवणीय भूमि में सफलता पूर्वक की जा रही है। व्यावसायिक बागवानी के लिये जीवांशयुक्त बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम मानी गई है।

देश में बेर की लगभग 125 से भी अधिक किस्में उगाई जाती है। इन किस्मों का विकास विभिन्न क्षेत्रों में फल के भौतिक तथा रासायनिक गुणों जैसे फल का रंग, आकार, वजन, मिठास व खटास की मात्रा के आधार पर चयन द्वारा किया गया है। । इसकी प्रकार गोला किस्म विभिन्न जगहों पर देलही गोला, नाजुक, सेब, लड्डू, अकरोटा आदि नामों से प्रचलित हैं।

गोला- फल का आकार गोल, माप 3.0 × 2.8 सें.मी. प्रति फल औसत भार 16.5 ग्रा., पकने पर रंग हल्का पीला व चमकदार, गूदा 95.2 प्रतिशत मुलायम, रसीला, मीठा, सफेद, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 15.5 प्रतिशत खटास 0.12 प्रतिशत, विटामिन 'सी' 90 मिग्रा./100 ग्रा. गूदा, औसत पैदावार 80 कि.ग्रा. प्रति पेड़।

कैथली- फल का आकार लम्बा, माप 3.5 × 2.5 सें.मी., प्रति फल औसत वजन 18.0 ग्रा. पकने पर रंग भूरापन लिये हुए पीला, छिलका पतला, गूदा 96.4 प्रतिशत, सफेद, मुलायम, मीठा, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 15.0 प्रतिशत, खटास 0.16 प्रतिशत, विटामिन 'सी' 85 मिग्रा./100 ग्रा. गूदा, औसत पैदावार लगभग 125 कि.ग्रा. प्रति पेड़। यह बारानी क्षेत्र के लिये अच्छी किस्म है।

उमरान किस्म का विकास राजस्थान के अलवर क्षेत्र में हुआ है। फल आकार में काफी बड़े माप 4.3 3.2 सें.मी., प्रतिफल वजन 24.0 ग्रा., पकने पर रंग भूरापन लिये हुए पीला, छिलका मोटा, गूदा 91.2 प्रतिशत, कुछ सख्त, मक्खनी रंग का तथा खाने में मीठा, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 15.2 प्रतिशत, खटास 0.21 प्रतिशत, विटामिन 'सी' 115 मि.ग्रा. प्रति 100 ग्रा. गूदा, औसत पैदावार लगभग 150 कि.ग्रा. प्रति पेड़।

व्यावसायिक दृष्टि से बाग़ लगाने के लिये कायिक विधि से तैयार बेर के पौधे ही उपयोग में लाना चाहिए। बेर का प्रवर्धन चश्मा विधि द्वारा किया जाता है। चश्मा की कई विधियाँ जैसे पैबंद चश्मा, ढाल चश्मा व छल्ला चश्मा प्रचलित है। व्यवसायिक तौर पर पौधे बनाने के लिए पैबंद चश्मा (पैच बडिंग) सबसे सफल व प्रचलित विधि है इस विधि से पौध तैयार करने के लिये मूलवृंत (बीजू पौधा) व कलिकायुक्त टहनी (सांकुर) की आवश्यकता पड़ती है।

(अ) मूलवृन्त तैयार करना- मूलवृंत के लिये देशी किस्म के बेर के बीज उपयोग में लाया जाता है।

गोला- फल का आकार गोल, माप 3.0 × 2.8 सें.मी. प्रति फल औसत भार 16.5 ग्रा., पकने पर रंग हल्का पीला व चमकदार, गूदा 95.2 प्रतिशत मुलायम, रसीला, मीठा, सफेद, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 15.5 प्रतिशत खटास 0.12 प्रतिशत, विटामिन 'सी' 90 मिग्रा./100 ग्रा. गूदा, औसत पैदावार 80 कि.ग्रा. प्रति पेड़।

कैथली फल का आकार लम्बा, माप 3.5 × 2.5 सें.मी., प्रति फल औसत वजन 18.0 ग्रा. पकने पर रंग भूरापन लिये हुए पीला, छिलका पतला, गूदा 96.4 प्रतिशत, सफेद, मुलायम, मीठा, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 15.0 प्रतिशत, खटास 0.16 प्रतिशत, विटामिन 'सी' 85 मिग्रा./100 ग्रा. गूदा, औसत पैदावार लगभग 125 कि.ग्रा. प्रति पेड़। यह बारानी क्षेत्र के लिये अच्छी किस्म है।

उमरान- उमरान किस्म का विकास राजस्थान के अलवर क्षेत्र में हुआ है। फल आकार में काफी बड़े माप 4.3 3.2 सें.मी., प्रतिफल वजन 24.0 ग्रा., पकने पर रंग भूरापन लिये हुए पीला, छिलका मोटा, गूदा 91.2 प्रतिशत, कुछ सख्त, मक्खनी रंग का तथा खाने में मीठा, कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 15.2 प्रतिशत, खटास 0.21 प्रतिशत, विटामिन 'सी' 115 मि.ग्रा. प्रति 100 ग्रा. गूदा, औसत पैदावार लगभग 150 कि.ग्रा. प्रति पेड़।

व्यावसायिक दृष्टि से बाग़ लगाने के लिये कायिक विधि से तैयार बेर के पौधे ही उपयोग में लाना चाहिए। बेर का प्रवर्धन चश्मा विधि द्वारा किया जाता है। चश्मा की कई विधियाँ जैसे पैबंद चश्मा, ढाल चश्मा व छल्ला चश्मा प्रचलित है। व्यवसायिक तौर पर पौधे बनाने के लिए पैबंद चश्मा (पैच बडिंग) सबसे सफल व प्रचलित विधि है इस विधि से पौध तैयार करने के लिये मूलवृंत (बीजू पौधा) व कलिकायुक्त टहनी (सांकुर) की आवश्यकता पड़ती है।जंगली बेर की कई जातियाँ जैसे - जिजीफस रोटंडीफोलिया, जिजीफास रूगोसा, इत्यादि । इन सभी में जिजीफस रोटंडीफ़ोलिया सबसे उपयुक्त है तथा यही उपयोग में लाया जा रहा है। हाल के वर्षो में चल रहे अनुसंधान के आधार पर जिजीफस रोटंडीफ़ोलिया के अतिरिक्त, जिजीफस मोरीशियान किस्म सुखावनी मूलवृंत के रूप में अच्छा परिणाम दे रही है।

बीज मार्च के महीने में इक्ट्ठा किया जाता है। बीज के लिये पूर्ण पके फल रोग व कीट से मुक्त पेड़ से तोड़कर इक्ट्ठा करते हैं। पके फलों को 2-3 दिन तक पानी में रखा जाता है। ऐसा करने से बेर की गुठली गूदे से आसानी से अलग हो जाती है। बुआई के पहले इन गुठलियों को 17-18 प्रतिशत नमक के घोल में डुबोना चाहिए। जो गुठली पानी में डूब जाये उन्हीं को बुवाई के उपयोग में लाना चाहिए। बुवाई के पहले गुठलियों को 5-6 मिनट के लिये शुद्ध सल्फ्यूरिक अम्ल में डुबो कर तत्पश्चात अच्छी तरह पानी से धोने अथवा 48 घंटे के लिये पानी में भिगोकर बोने से शीघ्र अंकुरण होता है। बेर की एक गुठली में एक से अधिक (दो) बीज होते हैं। अत गुठली को सावधानी पूर्वक तोड़कर प्रत्येक बीज को अलग भी किया जा सकता है। इस प्रकार गुठली से अलग किये गये बीज एक सप्ताह के अंदर ही अंकुरित हो जाते हैं

मूलवृंत तीन तरह से तैयार किया जा सकता है।

1. **क्यारियों में**
2. **पोलीथीन की ट्यूब में**
3. **स्वस्थाने बाग़ में**

1. **क्यारियों में**

इस विधि से मूलवृंत के लिये बीज की बुवाई क्यारियों में अप्रैल के प्रथम पखवारे तक कर दिया जाता है। बीज 30 सें.मी. की दूरी पर कतारों में 5 सें.मी. बीज से बीज की दूरी रखकर करते है। बीज की गहराई 2-3 सें.मी. रखी जाती है। बुवाई के समय क्यारी में पर्याप्त नमी का होना आवश्यक होता है। बुवाई के बाद क्यारी को घास-फूस की परत से ढककर फौहारे से आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहते हैं। बुवाई से लगभग 40 दिन पश्चात कमजोर व सघन पौधों की छटाई करके कतार में पौधों के आपस की दूरी लगभग 20 सें.मी. रखी जाती है। समय-समय पर निराई-गुड़ाई, व सिंचाई करते रहते है। इस तरह क्यारियों में तैयार किये गये पौधे 80-90 दिनों पश्चात लगभग पेंसिल के बराबर मोटाई (0.5 सें.मी.) के हो जाते है जो चश्मा चढ़ाने के लिये उपयुक्त होते हैं।

.पोलीथीन की ट्यूब में यह एक आसान विधि है। इस विधि से तैयार पौधे को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने-ले जाने में आसानी होती है तथा स्थानांतरण के बाद पौधों की स्थापना अच्छी व अधिक होती है। इस विधि से पौध तैयार करने के लिये 300 गेज मोटाई वाली पालीथीन की 10 × 25 सें.मी. आकार के ट्यूब (दोनों तरह से खुले) उपयोग में लाये जाते हैं। इन ट्यूबों में उपजाऊ मिट्टी + गोबर की खाद + बालू (1-1-1) का मिश्रण तैयार करके भरते हैं तथा इन्हें मिट्टी की हल्की खुदाई करके उथली क्यारी में एक साथ सटाकर 4-5 कतार में खड़ी दशा में लगा देते हैं। प्रत्येक ट्यूब में 2-3 स्वस्थ बीज को बुवाई अप्रैल के प्रथम सप्ताह में कर दी जाती है। बुवाई के बाद उथली क्यारी जिसमें ट्यूब रखे गये हैं कि हल्की सिंचाई करते है। यदि आवश्यक हो तो हजारे से इन ट्यूबों में छिड़काव भी किया जा सकता है। अंकुरण पश्चात एक स्वस्थ पौध रखकर शेष निकाल दिया जाता है। आवश्यकतानुसार पौधों में नमी बनाये रखना चाहिए। यदि पूरी देख-रेख की जाय तो इस प्रकार तैयार पौधे 90 से 100 दिन के अंदर चश्मा चढ़ाने लायक हो जाते हैं। चश्मा चढ़ाने के 40-50 दिन बाद पौधे रोपण लायक हो जाते हैं। इस विधि से तैयार पौधों के परिवहन में सुविधा होती है तथा इनका स्थापन भी अच्छा होता है।

शुष्क, अर्ध शुष्क, बीहड़ क्षेत्र में बेर के बाग़ विकसित करने की सर्वोत्तम विधि है। इस विधि से बाग़ विकसित करने से स्थानांतरण के समय जड़ों को होने वाली क्षति नहीं होती है। इस तरह विकसित बाग़ भूमि तथा जलवायु के प्रतिकूल दशाओं के प्रति अधिक सहिष्णु होते है। पौध तैयार करने के लिये मार्च में ही निश्चित दूरी पर रेखांकन कर गड्ढे खुदाई व भराई का कार्य कर लेते हैं। प्रत्येक गड्ढे में 2-3 स्वस्थ बीज की बुवाई अप्रैल में करते हैं।

पौधशाला में तैयार बीजू पौधों को भी जून जुलाई में लगाया जा सकता है। उचित देख-रेख से ये पौधे जुलाई-अगस्त में चश्मा चढ़ाने योग्य हो जाते हैं। ऊसर भूमि में भी स्वस्थाने बाग़ स्थापन की विधि अच्छी प्रमाणित हुई है। गड्ढों में अधिक लवण या क्षार के कारण बीज का अंकुरण अच्छा नहीं होता है। ऐसी अवस्था में 40-50 दिनों तक पालीथीन की थैली, ट्यूब अथवा क्यारी में तैयार मूलवृंत को सावधानी पूर्वक खोदकर भरे गये गड्ढों में स्थानांतरण कर दिया जाता है। रोपण के 35-42 दिन बाद इन्हीं बीजू पौधों पर किस्म अनुसार पैबंदी अथवा विरूपित पैबंदी विधि द्वारा प्रत्यारोपण किया जाना चाहिए।

(ई) सांकुर का चयन

पौध तैयार करने के लिए कली का चयन महत्वपूर्ण है। सांकुर टहनी का चयन किस्म के अनुरूप लगातार कई वर्षो से अच्छी फलत वाले वृक्ष से किया जाना चाहिए। टहनी 2-3 माह पुरानी तथा स्वस्थ व मोटी वानस्पतिक कलियों से युक्त होनी चाहिए। कली के लिये इस प्रकार की टहनी को मातृ वृक्ष से 15-20 सें.मी. की लम्बाई तक काटकर अलग कर लिया जाता है। एक टहनी पर 5-6 स्वस्थ कलियाँ मिल जाती हैं। जून माह में आवश्यकतानुसार सांकुर शाख हेतु अप्रैल में मातृ वृक्षों की गहरी छंटाई कर सिंचाई कर देनी चाहिए व कटाई-छंटाई विलम्ब से करने पर परिपक्व सांकुर शाखाएं आवश्यक मात्रा में नही उपलब्ध हो पाती। बेर में मध्य अगस्त से फूल की शुरुआत हो जाती है। फूल आने के बाद चश्मा हेतु कलिका सुगमता पूर्वक नहीं निकल पाती। अत- मध्य अप्रैल से 15 दिन के अंतराल पर कटाई-छंटाई करते रहने से आवश्यकतानुसार सांकुर शाखें प्राप्त होती रहेंगी। यदि कलिकायन के लिये सांकुर टहनी को दूर भेजना हो तो इन टहनियों को नम स्फेगनम मॉस घास में लपेटकर पोलीथीन की थैलियों में बंद कर के आसानी से भेजा जा सकता है। इस प्रकार की टहनी 2-3 दिन तक स्वस्थ दशा में बनी रहती है।

चश्मा चढ़ाने के लिए पैबंदी या विरूपित पैबंदी विधि अपनाना चाहिए। चश्मा चढ़ाने का कार्य 15 जून से 15 सितम्बर तक अच्छी सफलता के साथ किया जा सकता है। तैयार मूलवृंत पर चश्मा की क्रिया भूमि सतह से 15 सें.मी. की ऊँचाई पर किया जाता है। अधिक ऊँचाई पर कलिकायन से कलियों के फुटाव में कमी तथा अच्छा विकास नहीं होता है।

उपराज्यपाल ने जहानाबाद के सेंधवा में आयोजित होली मिलन समारोह में भाग लिया

जम्मू 11 मार्च। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बिहार के जहानाबाद के सेंधवा में 'होली मिलन समारोह' में शामिल हुए।

जहानाबाद में होली हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाई जाती है। उपराज्यपाल ने सभी को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने मगध की समृद्ध आध्यात्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक विरासत पर बात की।

उपराज्यपाल ने कहा ऽमगध क्षेत्र हमारी प्राचीन संस्कृति का प्राण तत्व है। अपनी प्राचीन परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों के कारण आधुनिक भारत के इतिहास में इसका प्रमुख स्थान है और दर्शन, भाषा और साहित्य की समृद्धि से सुशोभित इस भूमि की अजेय शक्ति हमारा मार्गदर्शन कर रही है।''

उपराज्यपाल ने कहा कि इस पवित्र भूमि से उद्योग, व्यापार, वाणिज्य और शहरी विकास के सिद्धांत उभरे और एशिया भर से बोधगया आए विद्वानों के माध्यम से भारत के तटों से परे पहुंचे।

उपराज्यपाल ने समाज के सभी वर्गों के लोगों से प्राचीन मगध क्षेत्र के गौरव को पुनर्जीवित करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

वैदिक साहित्य के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम में 'मगध', पूर्व में 'अंग' और उत्तर में 'विदेह' था। इसका पहला वर्णन ऋग्वेद के तीसरे अष्टक के 14वें श्लोक, 53वें सूत्र में मिलता है और इसे कीकट नाम से पुकारा गया है। कई इतिहासकारों ने इस तथ्य को भी उजागर करने की कोशिश की है कि वैदिक संस्कृति और व्रात्य संस्कृति का एकीकरण सबसे पहले मगध में हुआ था।

इसके साथ ही राजर्षियों की परंपरा मगध से शुरू हुई और पहले राजर्षि विश्वामित्र थे।

उपराज्यपाल ने मगध क्षेत्र और बिहार राज्य के समावेशी विकास के लिए माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में किए गए समर्पित प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

उपराज्यपाल ने बिहार के मोतिहारी के अरेराज में श्री बीरेंद्र राय अस्पताल का उद्घाटन किया

जम्मू 11 मार्च। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बिहार के मोतिहारी के अरेराज में श्री बीरेंद्र राय अस्पताल का उद्घाटन किया।

उपराज्यपाल ने स्वर्गीय श्री बीरेंद्र राय के परिवार के सदस्यों और अस्पताल से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अस्पताल अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकी का उपयोग करके विशिष्टताओं में सेवाएं प्रदान करेगा।

उपराज्यपाल ने कहा, ऽश्री बीरेंद्र राय जी के परिवार ने सार्वजनिक सेवा और देखभाल के लिए इस प्रतिष्ठित संस्थान का संचालन किया है। मैं श्री राजीव कुमार, डॉ. संजीव कुमार और उनके परिवार को उनके द्वारा की जा रही समर्पित सेवा के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

उपराज्यपाल ने सभा को संबोधित करते हुए पिछले 10 वर्षों में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत द्वारा स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में की गई तीव्र प्रगति पर बात की।

उपराज्यपाल ने कहा, प्रौद्योगिकियों और उपचार में हमारे नवाचारों को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है और हमारे स्वास्थ्य पेशेवरों ने उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है तथा वे विकसित देशों के अग्रणी स्वास्थ्य संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। हमारी देखभाल प्रथाओं के उच्च मानक, न्यायसंगत, एकीकृत और लोगों पर केंद्रित, तुलनात्मक लागत लाभ और कुशल सेवाओं ने भारत को चिकित्सा उपचार के लिए एक पसंदीदा स्थान बना दिया है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में उभरती चुनौतियों के मद्देनजर उपराज्यपाल ने विशेष मानव संसाधन विकसित करने और सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच घनिष्ठ सहयोग के माध्यम से सभी को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती चिकित्सा देखभाल प्रदान करने पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया।

उपराज्यपाल ने कहा, हमें अब स्वास्थ्य सेवाओं के कवरेज का विस्तार करने और स्वास्थ्य सेवा के व्यापक दायरे में गुणवत्तापूर्ण सेवा सुनिश्चित करते हुए दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों को सस्ती चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

2022-27 ट्रांसमिशन योजना के तहत पहलगाम के लिए 50 एमवीए जीआईएस ग्रिड सब-स्टेशन प्रस्तावित: मुख्यमंत्री

जम्मू 11 मार्च। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा को सूचित किया कि 2022-27 की अवधि के लिए जम्मू और कश्मीर के लिए परिप्रेक्ष्य ट्रांसमिशन योजना के तहत बटकोट (पहलगाम) में 50 एमवीए, 220/33 केवी जीआईएस ग्रिड सब-स्टेशन प्रस्तावित किया गया है।

विधायक अल्ताफ अहमद वानी के तारांकित प्रश्न का उत्तर देते हुए, मुख्यमंत्री, जिनके पास बिजली विभाग का प्रभार भी है, ने कहा कि बटकोट ग्रिड स्टेशन सहित ट्रांसमिशन योजना के तहत परियोजनाओं को लोड वृद्धि और तकनीकी व्यवहार्यता के आधार पर चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, विद्युत मंत्रालय/टैरिफ नीति के तहत जारी मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार, संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक की परियोजनाओं को टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली मोड के माध्यम से क्रियान्वित किया जा सकता है। जेईआरसी नियमों के आधार पर, जो सीमा के रूप में 100 करोड़ रुपये निर्धारित करते हैं, परियोजना के लिए सबसे उपयुक्त मोड की जांच की जा रही है, और मौजूदा मूल्य स्तरों को देखते हुए उचित समय पर निर्णय लिया जाएगा। भूमि अधिग्रहण के संबंध में, मुख्यमंत्री ने सदन को सूचित किया कि प्रस्तावित ग्रिड सबस्टेशन के लिए भूमि की पहचान वर्तमान में चल रही है।